www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 317 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
12 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:46
सूर्यास्तः 05:56
अधिकतमः 27°00
न्यूनतमः 12°00

पेज 07

विशेष समाचार | अमेरिका-यूरोप-इजरायल ... >> पेज 04 | लेम्बोर्गिनी केस में यू-टर्न... >> पेज 06 | राजपाल यादव के जेल जाने ...

यूपी बजट 2026-27

लड़कियों को शादी के लिए अब 1 लाख मिलेंगे,14 नए मेडिकल कॉलेज, 3 यूनिवर्सिटी खुलेंगी, 400 करोड़ की स्कूटी बांटेंगे, 10 लाख को रोजगार

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने आज विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया. 'मिशन रोजगार' और 'महिला सशक्तिकरण' पर केंद्रित इस बजट में सरकार ने विकास की नई रुपरेखा खींचते हुए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया है.

योगी सरकार ने पेश किया 9.12 लाख करोड़ का ऐतिहासिक बजट

ऐलान

- सीएम योगी ने कहा कि चार चीनी मिलों की क्षमता विकसित करने के प्रावधान किए गए हैं।
- अवस्थापना और औद्योगिक विकास के लिए बजट की व्यवस्था की गई है।

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। योगी सरकार ने चुनाव से पहले अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया। 9 लाख 12 हजार करोड़ का ये बजट पिछले साल से 12% ज्यादा है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिलाओं, इंफ्रास्टक्चर पर खास फोकस किया गया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 43 हजार करोड़ रुपए की नई योजनाएं शुरू करने का ऐलान किया। अब बेटियों की शादी के लिए 51 हजार की जगह 1 लाख रुपए दिए जाएंगे। 10 लाख युवाओं को रोजगार दिए जाएंगे। प्रदेश में 60 मेडिकल कॉलेज हैं, 14 नए और खोले जाएंगे। 3 यूनिवर्सिटीज को भी शुरू किया जाएगा। केंद्र की तरह ही राज्य सरकार 7 शहरों को स्मार्ट सिटी डेवलप करेगी।

मेधावी छात्राओं को 400 करोड़ रुपए से स्कूटी बांटी जाएंगी। वहीं, मध्यम वर्ग को घर दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद नई न्यू रेजीडेंशियल स्कीम लॉन्च करेगी। 34 हजार करोड़ रुपए से नार्थ-ईस्ट कॉरिडोर बनाया जाएगा। गोरखपुर से लेकर नेपाल बॉर्डर होते हुए सहारनपुर तक जाएगा। जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में अब 2 की बजाय अब 5 रनवे बनेगा।

योगी सरकार ने बजट का 25% इंफ्रास्टक्चर को दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

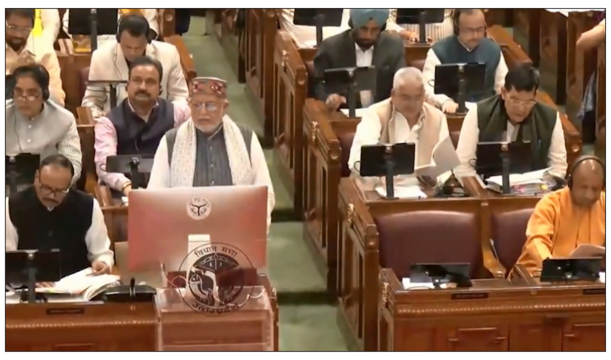

योगी सरकार के बजट से मेधावी छात्राएं बेहद खुश

यूपी सरकार का बजट आज पेश कर दिया गया है इस बजट से मेधावी छात्राएं बेहद खुश हैं. बजट में मेधावी छात्रों को स्कूटी देने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है. स्टूडेंट्स ने अपने अंदाज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद दिया है. वहीं इस बजट में टेक युवा समर्थ युवा का नारा बुलंद किया गया है. इसको लेकर भी स्टूडेंट्स की खुशी का ठिकाना नहीं है।

नव निर्माण के नववर्ष

- योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा के लिए 77,622 करोड़ दिया, सीधा ग्रामीण प्राइमरी स्कूलों को फायदा
- सड़क चौड़ीकरण के लिए 3700 करोड़ सीधा ग्रामीण स्तर पर फायदा
- प्रभु श्री राम की अयोध्या के सर्वांगीण विकास के लिए 100 करोड़
- दिव्यांग कल्याण के लिए पेंशन राशि को 300 से बढ़ाकर 1000 प्रतिमाह किया गया
- इस बार का बजट 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपए का है
- एमएसएमई के लिए 3822 करोड़ का प्रावधान
- ऊर्जा क्षेत्र के लिए 65926 करोड़ रुपए
- स्वरोजगार योजना के लिए 225 करोड़, सीधा जमीन पर इसका फायदा
- सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी लंबी छलांग, इसबार 22,000 मेगावॉ-ट उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है

योगी बोले- पहली बार किसी सीएम को दसवां बजट पेश करने का मौका मिला

सीएम योगी ने कहा, यह पहली बार हुआ है कि कोई एक सरकार का 10वीं बार बजट प्रस्तुत हो रहा है। नौ वर्ष में कोई भी टैक्स नहीं लगाया गया है। 'सिटी इकनोमिक जोन' यह क्लस्टर डेवलेप करने की नई कार्यवाही के लिए बजट में प्रावधान किया गए हैं। 'रूल ऑफ लॉ' रियल ग्रोथ की गारंटी है। यूपी में 50 लाख करोड़ का निवेश..अन्नदाता किसान केवल लाभार्थी नहीं है। विकास में भागीदार है। सीएम योगी ने बजट को लेकर कहा, 43,565 करोड़ रुपए की धनराशि नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित है। 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च नए निर्माण पर खर्च कर रहे हैं। यहीं से रोजगार और विकास की गति मिलती है। इन 9 साल में एक भी अतिरिक्त टैक्स नहीं लगाया गया है। यूपी में जो कर चोरी की शिकायतें थीं, उसे रोका गया।

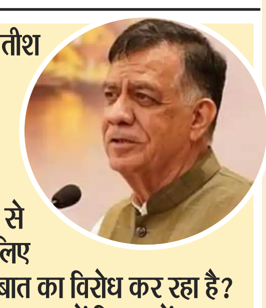

यूपी विधानसभा स्पीकर सतीश महाना ने कहा, ह्आज वर्ष 2026-27 का बजट विधानसभा में पेश किया गया। मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री की इच्छा रहती है कि जल्द से जल्द बजट का जनता के लिए उपयोग हो... विपक्ष किस बात का विरोध कर रहा है? उन्हें पहले पूरा विस्तार से पढ़ना चाहें फिर कहें...ह्न

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- यह जनता को भ्रमित करने वाला बजट

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बजट पर कहा 'यह जनता को भ्रमित करने वाला बजट है। योगी जी ने इससे पहले जो बजट प्रस्तुत किया, 9-9 महीने से किसी विभाग में पैसे ही नहीं गए हैं। मैं यूपी सरकार से मांग करता हूं कि तत्काल इस पर श्वेत पत्र जारी करें और बताएं किस समय आपने कितने पैसे अलॉट किए थे। कितने खर्च हुए और किस विभाग के कितने पैसे बचे हैं।

> अखिलेश यादव सपा प्रमुख बोले हर साल बजट का आकार बढ़ाया जाता है और इस बार भी बजट पिछले साल से बड़ा है, लेकिन सरकार उसे खर्च ही नहीं कर पा रही. उनके अनुसार बजट बड़ा है, मगर खर्च नहीं हो रहा. इससे साफ है कि सरकार के लोग अयोग्य है यह बजट मौजूदा सरकार की विदाई तय करेगा

फास्ट न्यूज

वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा नहीं कर सकते : सरकार

नई दिल्ली ।सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वांगचुक को फिलहाल रिहा नहीं किया जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने सरकार से वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा करने के बारे में पूछा था।

विवाद | बयान

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने माना-एपस्टीन से 3-4 मुलाकातें हुई

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे। यह बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी, जो इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटर-लिज्म और दूसरे इंटरनेशनल कामों से जुड़ी थी। पुरी ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लोकसभा में एपस्टीन विवाद में उनका नाम लेने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पुरी ने कहा,जब मैंने मई 2009 से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला था, तब से लेकर 2017 में मंत्री बनने तक की अवधि के 30 लाख ईमेल जारी किए गए हैं।

दिल्ली में तीन लोगों के मर्डर मामले में तांत्रिक गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में धनवर्षा (अचानक धन लाभ) का लालच देकर तीन लोगों की जहर देकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने तीन लोगों को जहर मिले लड्डू खिलाए और नकदी लेकर फरार हो गया था।

वित्त मंत्री बोले- 50 लाख करोड़ रुपए के एमओयू साइन हुए

- वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने सरकार की उपलब्धियों और प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति लगातार बेहतर हुई है। वर्ष 2018-19 में प्रदेश 29वें स्थान पर था, जो 2023-24 में सुधरकर 18वें स्थान पर पहुंच गया है।
- वित्त मंत्री ने कहा कि फरवरी 2024 में प्रदेश में चौथे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन किया गया। इसके तहत अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं, जिनसे लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।
- उन्होंने बताया कि इन निवेश प्रस्तावों में से अब तक करीब 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़ी 16 हजार से ज्यादा परियोज-नाओं के लिए चार ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह हो चुके हैं, जिससे निवेश को जमीन पर उतारा जा रहा है।

अखिलेश का योगी पर पलटवार, गाना चलवाया- हम कयामत तक इंतजार करेंगे

अखिलेश यादव ने कहा, जब एफआईआर ही नहीं दर्ज होगी तो आंकड़े अपने आप नीचे आ जाएंगे। पहले पुलिस और अपराधी दो टीम होती थी, अब बीजेपी के भ्रष्टाचार की वजह से पुलिस और अपराधी एक टीम में आ गए हैं। भाजपा इसकी कैप्टन है।

अगर 50 लाख करोड़ के एमओयू साइन हुए तो उसमें कितनी जमीन पर उतरे और जमीन पर कितना निवेश हुआ। अगर हम खबरों को देखें तो समझ आता है कि महज 1 लाख करोड़ के एमओयू ही जमीन पर उतर सके। यह तो सोचने वाली बात है। मुख्यमंत्री को पता ही नहीं कि मेट्रो क्या होती है, इसलिए गोरखपुर में सब बना लिया लेकिन मेट्रो नहीं बनाया। झांसी में वादा करके चले गए। लखनऊ में जितना हमने बनाकर छोड़ा था, उतना ही आज तक है। गोरखपुर में इन्होंने लिंक एक्सप्रेसवे बनाया, 91 किलोमीटर बनाने में 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए। >> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश यादव बोले- बजट निराशाजनक रहा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यह बजट निराशाजनक रहा। हमने पुलिस के लिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए, उन्हें इन्होंने बर्बाद कर दिया। हेल्थ को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए हैं, लेकिन हेल्थ सेक्टर कहां पहुंच गया है, यह सबको पता है। मेडिकल कॉलेज से लेकर सीएचसी, पीएचसी तक की हालत खराब है। इनकी मंशा है कि सरकारी स्वास्थ्य विभाग ठप पड़ जाए, ताकि लोग प्राइवेट में इलाज करवाने जाएं। कई जिलों में गलत दवाएं दी गईं, बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। फूड एडल्टरे-शन में हम नंबर वन हैं। अखिलेश यादव ने कहा, सपा का मानना है कि जो भी हॉस्पिटल पहुंचे, उसका इलाज फ्री में हो। बीजेपी तो पिछले 10 सालों से कैंसर इंस्टीट्यूट तक नहीं चला पाई है। इन्हें हटाने के लिए किसानों को एकजुट होना पड़ेगा, क्योंकि किसानों को भी इस बजट में कुछ नहीं मिला है। हमने कन्नौज में काऊ मिल्क प्लांट लगाया था, उसे बंद कर दिया और बेच दिया। किसानों के लिए ये मंडिया बना नहीं पा रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

कार्रवाई : भीटी पुलिस व एसओजी की संयुक्त कार्रवाई, तीन गिरफ्तार, दो फरार

खजुरी पेट्रोल पंप के पास मुठभेड़ के बाद 43 किलो गांजा बरामद

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को भीटी थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 43.082 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 22 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो अन्य मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि महरुआ की ओर से टीयूवी और स्विफ्ट डिजायर कार में सवार कुछ लोग अवैध गांजा लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही भीटी पुलिस और एसओजी टीम ने खजुरी पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी कर दोनों वाहनों को रोकने का प्रयास किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

फरार आरोपितों की तलाश में दबिश

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में फरार दो आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपितों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गांजे की खेप कहां से लाई जा रही थी और इसका गंतव्य क्या था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया

पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने बताया, 'जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मुखबिर की सूचना पर भीटी पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वाहनों से कुल 43.082 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अभियुक्त फरार हैं जिनकी तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। अवैध तस्करी में शामिल नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।'

पेट्रोल बंगाल में दिल्ली से 10 ज्यादा महंगा : सीतारमण

टीएमसी को बंगाल की चिंता तो स्टेट जीएसटी हटाएं

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को संसद में बजट को लेकर अपनी बात रखी। इस दौरान TMC सांसद अभिषेक बनर्जी के GST को लेकर आरोपों पर सीतारमण ने कहा, अभिषेक बनर्जी की स्पीच पर मुझे दुख हुआ। उन्होंने जनकारी तोड़ मरोड़कर पेश की। GST पर उन्होंने कहा कि जन्म से लेकर मरने तक लोग जीएसटी दे रहे हैं। कहां से ला रहे हैं ये बातें। दूध के ऊपर कब जीएसटी लगा, पढ़ाई पर कब लगा। इस पर पीछे बैठे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि वहां कट मनी लगती है, इसे फिर सीतारमण ने दोहराया। सीतारमण ने कहा- आप बंगाल में स्टेट GST हटा सकते हैं, पर ऐसा क्यों नहीं कर रहे। पैसा भी चाहते हैं और बदनाम भी कर रहे हैं। आप अगर बंगाल में लोगों पर बोझ कम करना चाहते हैं तो वहां पेट्रोल के दाम दिल्ली से 10 रुपए ज्यादा है, उसे कम कर दीजिए।

- राहुल गांधी बोले- अडाणी पर केस मोदी पर दबाव बनाने के लिए

>> (शेष पेज 06 पर)

लखनऊ में मिल्क प्रोड्यूसिंग कंपनी खुलेगी, कैंसर संस्थान और प्रेरणा स्थल के लिए खोला खजाना

कुकरैल नाइट सफारी के लिए 207 करोड़ का बजट

तोहफा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी के बजट में योगी सरकार ने लखनऊ को बड़ा तोहफा दिया है। वित्त मंत्री ने शहर के विकास के लिए तकरीबन 1000 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया है। सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट लखनऊ के कुकरैल नाइट सफारी के लिए 207 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लिए 50 करोड़ का फंड दिया जाएगा। जियामऊ स्थित कैंसर संस्थान के लिए 315 करोड़ रुपए

दिए गए हैं। बजट में बताया गया है कि लखनऊ में मिल्क प्रोड्यूसिंग कंपनी खोली जाएगी। इसके अलावा, लखनऊ में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना के लिए अतिरिक्त बजट जारी किया गया है। सरकार को अनुमान है कि डिफेंस कॉरिडोर से पूरे प्रदेश में 53,263 लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा। लखनऊ में बन रही कुकरैल नाइट सफारी के लिए 207 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

यह पूरा प्रोजेक्ट दो फेज में पूरा होगा

यह पूरा प्रोजेक्ट दो फेज में पूरा होगा। पहले फेज में नाइट सफारी के साथ इको टूरिज्म जोन को विकसित किया जाएगा। जबकि दूसरे फेज में चिड़िया घर का निर्माण कराया जाएगा। नाइट सफारी में 72 फीसदी एरिया में ग्रीनरी रहेगी। यहां पर सौर ऊर्जा का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इको टूरिज्म में कैफेटेरिया, 7-डी थिएटर, ऑडिटोरियम, पार्किंग की भी सुविधा होगी। साथ ही एडवेंचर जोन भी होंगे।

कुकरैल नाइट सफारी 2027 एकड़ में तैयार की जा रही है। नाइट सफारी में 1,510 करोड़ रुपए का बजट लगेगा। सरकार ने पिछले बजट में 100 करोड़ रुपए जारी किए थे। सरकार का कहना है कि इस सफारी को सिंगापुर की नाइट सफारी की तर्ज पर बनाया जाएगा।

कैंसर संस्थान, लखनऊ के लिए 315 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है।

राष्ट्र प्रेरणा स्थल के प्रबंधन, संचालन, सुरक्षा और अनुरक्षण के लिए 50 करोड़ रुपए का कॉर्पस फंड जारी किया गया है।

लखनऊ विकास क्षेत्र और प्रदेश के दूसरे विकास प्राधिकरणों के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 800 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है।

अयोध्या, मथुरा, लखनऊ समेत 17 नगर निगमों को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण ऐशबाग लखनऊ में किया जा रहा है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना में अब तक 200 रक्षा उद्योगों की स्थापना हेतु MOU किए गए हैं। इनमें 35,280 करोड़ रुपए का निवेश और 53,263 लोगों को सीधे रोजगार का अनुमान है।

नाइट सफारी और चिड़ियाघर के निर्माण को हरी झंडी दी गई

16 अगस्त, 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में लखनऊ के कुकरैल वन क्षेत्र में नाइट सफारी और चिड़ियाघर के निर्माण को हरी झंडी दी गई। तब यह देश का पहला और एशिया का 5वां नाइट सफारी प्रोजेक्ट था। कुकरैल जंगल 2027.46 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। इसमें से 350 एकड़ में नाइट सफारी और 150 एकड़ में नया प्राणि उद्यान विकसित किया जाएगा। लखनऊ के नवाब वाजिद अली शाह चिड़ियाघर को भी यहीं शिफ्ट किया जाना है। इस नाइट सफारी को सिंगापुर की नाइट सफारी की तर्ज पर डिजाइन किया जाना है, जहां टाइगर, लेपर्ड, भालू जैसे वन्यजीव खुले वातावरण में रात के वक्त भी देखे जा सकें। इस प्रोजेक्ट पर 1,510 करोड़ रुपए खर्च होंगे। व्यय वित्त समिति ने इस प्रस्ताव को स्वीकृति भी दे दी है। 4 करोड़ रुपए पास भी हो चुका है। हालांकि अभी कुकरैल नाइट सफारी के टेंडर प्रस्ताव को कैबिनेट में पास किया जाना बाकी है। जिसे अप्रैल में ही पास किया जाना था, लेकिन अभी तक नहीं हो पाया।

लखनऊ में ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

दुबग्गा । लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हरदोई रोड स्थित अंधे की चौकी के पास मछली मंडी गेट के सामने ईंटों से लदी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मारुति वैन को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वैन टक्कर से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए थे। वरिष्ठ उपनिरीक्षक राकेश पटेल ने बताया कि हादसे में घायल संजय सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। अन्य घायलों में पप्पू कश्यप, पप्पू सिंह सैगर और हर्ष सिंह शामिल हैं। हर्ष की हालत नाजुक बताई जा रही है और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया है, जबकि अन्य दो घायलों का भी गंभीर अवस्था में उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, मारुति वैन कानपुर देहात के मैथा क्षेत्र से बाराबंकी की ओर जा रही थी, तभी हरदोई रोड पर सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से उसकी टक्कर हो गई।

बिजनेस कम्यूनिटी को डायरेक्ट लाभ नहीं दिया गया : व्यापारी

हर वर्ग का ध्यान रखा, लखनऊ में बजट को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026–27 का बजट पेश किया। 9 लाख 12 हजार 696.35 करोड़ रुपये के इस बजट का व्यापारियों ने स्वागत किया। आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि आज का बजट उत्तर प्रदेश के लिए ऐतिहासिक है। बजट में देखने को मिला कि 2027 चुनाव से पहले सरकार ने खजाना खोल दिया, हर वर्ग और सेक्टर को कुछ ना कुछ जरूर मिला है।

संजय गुप्ता ने कहा कि बजट से सीधे तौर पर व्यापारियों को लाभ तो नहीं मिला मगर अप्रत्यक्ष रूप से काफी फायदा हुआ है। यह बजट आम आदमी की उम्मीद और संभावनाओं का बजट है।

तीर्थ यात्राओं को मिलेगा बढ़ावा

संजय गुप्ता ने कहा कि अयोध्या और नेमीशरण के तीर्थ स्थलों को अत्यधिक बढ़ावा देने की बात कही गई है। जिससे वहां के स्थानीय व्यापारियों को बड़ा फायदा मिलने वाला है। प्रदेश में जितना तीर्थ यात्री और पर्यटक आएंगे उतना ही व्यापार बढ़ेगा जीडीपी ऊपर जाएगी। खादी ग्रामीण उद्योग और चिकित्सा शिक्षा के लिए बजट में जो कदम उठाया गया है यह बेहद सराहनीय है।

'व्यापारियों को स्वास्थ्य बीमा दे सरकार'

संजय गुप्ता ने कहा व्यापार मंडल को एक चीज से मायूसी हुई है कि जिसकी हम पिछले कई वर्षों से मांग कर रहे हैं। सरकार व्यापारियों को स्वास्थ्य बीमा दे। व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ये बेहद जरूरी कदम है। लखनऊ के नजरिए से कैंसर इंस्टिट्यूट को दिए जाने वाला बजट बेहद सराहनीय है इसके अलावा कुकरेल में जो नाइट सफारी के लिए बजट अलॉट हुआ है ।

कैसरबाग चौराहे से परिवर्तन चौक तक पैदल मार्च किया, बोले- इक्विटी गाइडलाइन लागू हो

यूजीसी के समर्थन में वकील एकजुट

सामाजिक न्याय मोर्चा के वकीलों ने यूजीसी नियमों के समर्थन में स्वास्थ्य भवन चौराहे से परिवर्तन चौक तक पैदल मार्च निकाला।

ज्ञापन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार को सामाजिक न्याय मोर्चा के बैनर तले यूजीसी नियमों के समर्थन में पैदल मार्च निकाला गया। यह मार्च स्वास्थ्य भवन चौराहे से शुरू होकर परिवर्तन चौक तक गया। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम डीएम को ज्ञापन सौंपा गया।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा- यूजीसी नियम उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और सामाजिक न्याय को मजबूती देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। सभी शिक्षण

संस्थानों में आरक्षण व्यवस्था का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।

मार्च के दौरान उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग भी उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि न्यायपालिका में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि सामाजिक न्याय की अवधारणा मजबूत हो सके।

आरक्षण कोटा पूरी पारदर्शिता के साथ लागू हो

सामाजिक न्याय मोर्चा के प्रदर्शन में बड़ी संख्या में वकील और बापसा छात्र संगठन के सदस्य शामिल हुए। वकीलों ने कहा- सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण कोटा पूरी पारदर्शिता के साथ लागू होना चाहिए, ताकि वंचित वर्गों को उनका अधिकार मिल सके।

वकीलों ने कहा- यूजीसी नियमावली 2026 को लागू किया जाए। यह हमारे समाज से जुड़े हुए छात्रों के अधिकार से जुड़ा नियम है। उसको तत्काल प्रभाव से लागू करते हुए हमें न्याय दिया जाए।

अंबाला मंडल की तत्कालीन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रवीण गौड़ द्विवेदी ने 10 साल तक रेलवे के लिए लड़ी कानूनी लड़ाई

10 साल की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे को मिली ऐतिहासिक जीत

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे को सुप्रीम कोर्ट से एक ऐतिहासिक और निर्णायक जीत मिली है। लगभग 10 वर्षों से चली आ रही कानूनी लड़ाई में शीर्ष अदालत ने रेलवे प्रशासन के अधिकारों पर लगी न्यायिक आपराधिक कार्यवाही को पूरी तरह खारिज किया। भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) की वरिष्ठ अधिकारी प्रवीण गौड़ द्विवेदी से जुड़े इस मामले में आया फैसला न केवल रेलवे के संस्थागत हितों की रक्षा करता है, बल्कि भविष्य में रेलवे प्रशासनिक स्वायत्तता के लिए एक मजबूत कानूनी आधार भी तैयार करता है। बता दें कि मामले की शुरूआत 30 सितंबर, 2016 को हुई, जब अंबाला के तत्कालीन रेलवे मजिस्ट्रेट ने अंबाला मंडल की

तत्कालीन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रवीण गौड़ द्विवेदी को एक अनुरोध भेजा, जिसमें औचक जांच के लिए एक समर्पित टिकट चेकिंग दस्ता देने का अनुरोध किया गया था। मंडल में विशेष महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुए प्रवीन गौड़ द्विवेदी ने रेलवे मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि उस विशेष समय पर स्टाफ नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने एक हलफनामे के माध्यम से यह भी प्रस्तुत किया कि ' स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट दस्ते' के लिए किसी भी स्वीकृत पद के अस्तित्व में न होने के कारण अनुरोध संभव नहीं है। उन्होंने भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 का हवाला देते हुए यह भी बताया कि टिकट चेकिंग स्वाभाविक रूप से एक कार्यकारी कार्य है। जिसमें स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट (एसआरएम) चेक वाणिज्य विभाग के समन्वय से नियमानु-सार नियोजित किए जाने चाहिए न कि न्यायपालिका द्वारा एकतरफा मांगे जाने चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जहां रेलवे मजिस्ट्रेट अपने ही मामले में जज बनना चाहते हैं। अपीलकर्ता ने अपने अधिकारिक क्षमता से बाहर कोई काम नहीं किया था। यह निर्णय भविष्य में किसी भी ईमानदार रेलवे अधिकारी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय अनावश्यक न्यायिक दबाव से सुरक्षा प्रदान करेगा।

आईपीसी की धाराओं के तहत शुरू की गई कार्यवाही

बता दें कि स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट ने टिकट चेकिंग दस्ता देने से इन्कार से अंसतुष्ट होकर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्विवेदी को कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसमें पूछा गया कि भारतीय दंड सहिता (IPC) की धारा 186, 187 और 217 के तहत जोकि सरकारी कर्मचारियों द्वारा कार्य में बाधा डालने और निर्देशों की अवज्ञा से संबंधित है, आपके विरूद्ध क्यों न कार्यवाही शुरू की जाए। मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्विवेदी ने कानूनी लड़ाई जारी रखी।

सुप्रीम कोर्ट में मिली जीत

बता दें कि महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे, सचिव, रेलवे बोर्ड और प्रवीण गौड़ द्विवेदी ने सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पेटिशन दायर की, जिसमें तर्क दिया गया कि यह कार्यवाही अपने अधिकार क्षेत्र में काम कर रहे एक ईमानदार अधिकारी को परेशान करने के बराबर है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णायक फैसले में निचली अदालतों के विवादित आदेशों को रद्द कर दिया और रेलवे अधिकारी के विरूद्ध चल रहे आपराधिक कार्यवाही को खत्म कर दिया।

'भूजल का सतत् विकास एवं प्रबंधन' विषय पर कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। आज बरेली कॉलेज, बरेली में केंद्रीय भूजल बोर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित तथा बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग और राजीव गांधी राष्ट्रीय भूजल प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, रायपुर के सहयोग से 'Sustainable Groundwater Development and Management (भूजल का सतत् विकास एवं प्रबंधन)' विषय पर तृतीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भूजल संरक्षण, जागरूकता एवं सतत् जल प्रबंधन के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण विकसित करना रहा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

प्रो. ए. पी. सिंह ने कार्यक्रम का स्वागत भाषण दिया, जबकि डॉ. निष्ठा सेठ ने विभाग की प्रोफाइल

प्रस्तुत कर प्रतिभागियों को बरेली कॉलेज और पर्यावरण विज्ञान विभाग की गतिविधियों एवं योगदान से परिचित कराया। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, सौगात एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री देव मूर्ति जी, सचिव, प्रबंध समिति, बरेली कॉलेज, बरेली रहे। श्री देव मूर्ति जी ने अपने उद्बोधन में भूजल संरक्षण और सतत् जल प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा और प्रशासन में सामंजस्यपूर्ण प्रयासों से जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को सतत् जल प्रबंधन के प्रति जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी।

विशिष्ट अतिथि श्री अभिनव अग्रवाल, निदेशक, रामाश्यामा पेपर मिल, बरेली ने अपने संबोधन में कहा कि उद्योग और समाज के बीच सहयोग से जल संरक्षण और सतत् प्रबंधन के प्रयासों को और प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

वेव मॉल को फीते से नापा

पार्किंग एरिया में बना रखीं अवैध दुकानें, 7 दिन में हटाने का अल्टीमेटम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के विभूतिखंड स्थित वेव मॉल में पार्किंग में 50 से अधिक अवैध दुकानें बना दी गईं। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की टीम बुधवार को फोर्स के साथ इनकी नपाई करने पहुंची। जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी और रवि नंदन के नेतृत्व में टीम ने मॉल परिसर और उसके चारों ओर बनी चार मंजिला इमारत की नाप-जोख की। वर्ष 2004 में बने इस मॉल की IGRS पोर्टल पर शिकायत हुई थी। शिकायत में आरोप है कि कम्प्लीशन सर्टिफिकेट जारी होने के बाद भी भवन में मानचित्र से अलग निर्माण (डेविएशन) किया गया है। इसी आधार पर LDA ने जांच कमेटी गठित कर नपाई शुरू कराई है।

प्रारंभिक जांच में कॉलम और बाउंड्री से संबंधित कुछ मामूली डेविएशन चिन्हित किए गए हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पूरी नपाई और तकनीकी रिपोर्ट आने के बाद ही किसी ठोस निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा। एलडीए के अधिकारियों का कहना है कि शहर में बिना अनुमति या स्वीकृत मानचित्र से अलग निर्माण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने लाउडस्पीकर के जरिए मॉल परिसर में संचालित अस्थायी दुकानों को अवैध बताते हुए अनाउंसमेंट भी किया। टीम ने मौके पर मौजूद मानचित्र को भी देखा।

फ्लोर-वाइज स्वीकृत प्लान मंगाया

जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया- थाना विभूतिखंड क्षेत्र में स्थित वेव मॉल के संबंध में डेविएशन की शिकायत प्राप्त हुई है। कम्प्लीशन सर्टिफिकेट के बाद निर्माण में बदलाव के आरोपों की जांच की जा रही है। फिलहाल फ्लोर-वाइज स्वीकृत प्लान मंगाया जा रहा है और इंजीनियरों की रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

घटना : लखनऊ में एक की 6 महीने पहले हुई थी शादी, आज ही मायके आई थी

साथ में निकलीं गर्लफ्रेंड्स ट्रेन से कटी मिलीं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सुबह साथ में निकलीं गर्लफ्रेंड्स ट्रेन से कटी मिलीं। एक लड़की की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। वह आज (11 फरवरी) ही सुबह मायके आई थी। कुछ देर बाद दोनों की डेडबॉडी ट्रेन पटरी पर मिली। घटना रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह मनकोटी गांव के पास हुई।

ट्रेन से लड़कियों के कटने की सूचना पर गांववाले घटनास्थल पहुंच गए। घटना बेलवा रेलवे फाटक के पास की है। यह मनकोटी से करीब 1 किमी दूर है। मृतक सहेलियां रहीमाबाद के मनकोटी गांव की थीं। गांववालों के अनुसार, वे दोनों हरपल साथ ही रहती थीं। आज दोनों की साथ ही मौत हो गई।

पड़ोसियों का कहना है कि नीतू और शशि बचपन से ही हरपल साथ रहती थीं। नीतू की शादी 6 महीने पहले हुई थी। उसका पति इशू चंडीगढ़ में रहकर काम करता है। उसकी शादी उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के धनियाखेड़ा गांव में हुई थी।

नीतू आज ही अपने मायके आई हुई थी। अपनी सहेली शशि के साथ गांव के बाहर निकली। दोनों बिना बताए ही निकलीं और पता नहीं क्यों दोनों ने मौत चुन ली? यह भी हो सकता है कि दोनों टहलने गई हों और उनके साथ हादसा हो गया है। उसके बाद मैं देखने गया तो देखा कि एक लड़की शशि मेरी बहन थी। ऐसा क्यों किया, यह मुझे भी समझ नहीं आ रहा है। परिवार में शशि की दूसरी बहन पूनम, भाई राजकुमार, अवधेश, विकास, मनीष, मैं और पिता अशर्फी लाल हैं। नीतू के पिता बुद्धा को जब सूचना मिली तो वह खेत में काम कर रहे थे। बुद्धा ने बताया- न मायके में और न ही ससुराल में कभी ऐसी कोई भी बात की जानकारी नहीं मिली थी। पता नहीं क्यों ऐसा हुआ। मैं तो खेत में आलू खोद रहा था। सूचना मिली तो दौड़ते चला आया। नीतू ने 10वीं तक पढ़ाई की थी। शादी के बाद पढ़ाई रुक गई थी।

“शशि की ट्रेन में टांग कटकर अलग गिरी। वहीं, नीतू के सिर पर गहरी चोट लगी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। शशि के भाई विनोद ने बताया कि मैं काम पर घर से बाहर गया था। दोनों सहेलियों के बीच कोई विवाद नहीं है। लोगों ने मुझे बताया कि ट्रेन से दो लड़कियां कट गई हैं।

युवतियों की उम्र 20 और 23 साल

रहीमाबाद थाना पुलिस के अनुसार, मृतक युवतियों की उम्र 20 और 23 साल है। 20 साल की शशि पुत्री अशर्फी लाल और 23 साल की नीतू पुत्री बुद्धा की मौत हुई। इन दोनों की ट्रेन से कटने की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे ट्रैक पार रही थीं, लेकिन दूसरे एंगल पर भी जांच की जा रही है। नीतू के मायके आने के बाद दोनों घर से निकलीं और ट्रेन से टकराकर उनकी मौत हो गई। आशंका है कि दोनों ने सुसाइड किया होगा। बहरहाल जांच और पूछताछ के बाद पता चल सकेगा कि आखिर यह हादसा था या सुसाइड।

9.13 लाख करोड़ के ऐतिहासिक बजट से जिले में बुनियादी ढांचे और रोजगार को मजबूती के संकेत

यूपी बजट : विकास को नई रफ्तार

मजबूती

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 9 लाख 12 हजार 696 करोड़ रुपये से अधिक का अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया है। बजट में 1.77 लाख करोड़ रुपये से अधिक का पूंजीगत परिव्यय प्रस्तावित है। राज्य स्तर पर घोषित योजनाओं और बढ़े हुए आवंटन का सीधा असर अंबेडकर-नगर जैसे जिलों में विकास कार्यों की रफ्तार पर पड़ने की उम्मीद है।

प्राथमिक शिक्षा के लिए 80,997 करोड़, ऊर्जा विभाग को 65,926 करोड़, गृह विभाग को 44,145 करोड़ और लोक निर्माण विभाग को 33,740 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे जिले में स्कूल भवनों के उन्नयन, सड़कों की मरम्मत व निर्माण, विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ीकरण और सुरक्षा व्यवस्था को बल मिलने की संभावना है।

भाजपा नेता विनोद सिंह

व्यवसाई मंजीत गुप्ता

व्यवसाई प्रदीप कुमार त्रिपाठी

भाजपा नेता विनोद सिंह ने कहा, “यह बजट संतुलित और दूरदर्शी है। अंबेडकरनगर में सड़क, शिक्षा और रोजगार से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। पूंजीगत निवेश बढ़ने से जिले में विकास परियोजनाएं तेज होंगी।” व्यवसाई मंजीत गुप्ता ने कहा, “वेयरहाउसिंग, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक नीति से छोटे व्यापारियों को फायदा होगा। अगर स्थानीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा मिला तो बाजार में सकारात्मक माहौल बनेगा।”

> “ उत्तर प्रदेश एआई मिशन, स्टेट डेटा सेंटर और डेटा सेंटर क्लस्टर जैसी पहल से तकनीकी क्षेत्र में नए अवसर बनने की संभावना है। प्रदेश में 16 हजार से अधिक स्टार्टअप और कई यूनिकॉर्न की मौजूदगी का लाभ जिलों तक पहुंचाने की रणनीति बजट में दिखाई देती है।

शिक्षा और युवाओं के लिए बड़ा पैकेज

माध्यमिक शिक्षा के लिए 22,167 करोड़ और उच्च शिक्षा के लिए 6,195 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। छात्राओं को स्कूटी वितरण के लिए 400 करोड़ तथा फ्री टैबलेट और स्मार्टफोन के लिए 2,374 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्वामी विवेकानंद युवा-सशक्तिकरण योजना के तहत अब तक लाखों टैबलेट-स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत प्रदेश में संचालित 163 केंद्रों पर 23,000 से अधिक युवाओं को मुफ्त कोचिंग दी जा रही है। अंबेडकरनगर के युवाओं को भी इसका लाभ मिल रहा है। कौशल विकास मिशन के जरिए प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ाव बढ़ने की उम्मीद है।

कृषि, उद्योग और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा

मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना, पशुधन बीमा एवं जोखिम प्रबंधन योजना और सहकारी चीनी मिलों के आधुनिकीकरण जैसे कदमों से जिले के किसानों को राहत मिल सकती है। वेयरहाउसिंग एवं लॉजिस्टिक्स नीति और औद्योगिक जोन की योजनाएं छोटे व्यापारियों और उद्यमियों के लिए अवसर बढ़ा सकती हैं। जिले के कारोबारी वर्ग का मानना है कि पूंजीगत व्यय में वृद्धि से स्थानीय बाजार में मांग और निवेश का माहौल बेहतर होगा।

‘ग्रामीण महिला सशक्तिकरण’ कार्यक्रम की शुरुआत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत भदोई में जन शिक्षण केंद्र द्वारा संचालित “ग्रामीण महिला सशक्तिकरण” कार्यक्रम के अंतर्गत सेवादाताओं और नारी संघ के साथ परिचय एवं सामंजस्य निर्माण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य गांव स्तर पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाते हुए विकास कार्यों में समन्वय स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत महिलाओं की सामाजिक भागीदारी और रूढ़िवादी परंपराओं से मुक्ति के संदेश के साथ की गई। बैठक में जन शिक्षण केंद्र की सचिव पुष्पा पाल ने संस्था एवं परियोजना का परिचय देते हुए कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्यों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की प्राप्ति सुनिश्चित करना तथा स्थानीय स्वशासन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। बैठक में बताया गया कि दिसंबर 2022 से

सुरहुरपुर, भस्मा, गुवापाकड़, रुधौली माफी, रुधौली अदाई और आजनपारा ग्राम पंचायतों में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा था। जनवरी 2026 से इसे विस्तारित करते हुए भदोई, सेठाकला, सलाहुदीनपुर, कर्मिसिर-पुर, खालिशपुर और टिकरी ग्राम पंचायतों को भी शामिल किया गया है। कार्यक्रम के तहत बेसलाइन सर्वे, महिला संगठन निर्माण, नारी संघ गठन, ब्लॉक संसाधन केंद्र की स्थापना, ब्लॉक एडवोकेसी समूह के गठन तथा सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जैसे बिंदुओं पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को पंचायत स्तर पर अधिकारों और योजनाओं से जुड़ने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

फास्ट न्यूज

बारात में बांस-बल्ली से पीट-पीटकर युवक की हत्या

गोरखपुर। गोरखपुर में एक युवक की बांस-बल्ली से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वह अपने भाई की साली की शादी में पहुंचा था। जहां बारातियों से डीजे पर नाचने को लेकर झगड़ा हो गया। आरोपियों ने युवक को मारते-मारते नीचे गिरा दिया। वह जब अधमरा हो गया तो मुंह पर छाती पर लातें मारने लगे। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला मंगलवार देर रात सिकरीगंज के हरिजनपुर गांव का है।

दिल्ली में युवक ने की आत्महत्या, मां-फूफा पर केस दर्ज

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र से जुड़े 24 वर्षीय रामनरेश रावत ने दिल्ली में आत्महत्या कर ली। सराय राजघाट के मोहल्ला पट्टी निवासी रामनरेश ने कथित तौर पर प्रेमिका की शादी तय होने और उसके परिजनों की प्रताड़ना से आहत होकर यह कदम उठाया। यह घटना प्रेमिका की शादी से दो दिन पहले की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, रामनरेश और उसकी प्रेमिका के बीच लगभग आठ वर्षों से संबंध थे। जब युवक को प्रेमिका की शादी दूसरे युवक से तय होने की जानकारी मिली, तो वह मानसिक रूप से टूट गया।

लोधेश्वर धाम में 1200 अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

बाराबंकी । बाराबंकी के रामनगर में आगामी महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में गुरुवार दोपहर तहसील रामनगर के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री लोधेश्वर महादेवा परिसर में एक उच्चस्तरीय ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई।

महाशिवरात्रि पर मुसइतपुर में दो दिवसीय अभिषेक व भंडारा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बेवाना में 15 और 16 फरवरी को दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति ने कार्यक्रम की रूपरेखा जारी करते हुए बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विशाल अभिषेक, रामचरितमानस पाठ, हवन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। पहले दिन 15 फरवरी, रविवार को प्रातः 6 बजे से सायं 6 बजे तक अभिषेक का आयोजन होगा। सुबह 8 बजे से रामचरितमानस पाठ प्रारंभ होगा, जो निर्धारित समय तक चलेगा। मंदिर परिसर में भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति के अनुसार दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल और प्रसाद वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। 16 फरवरी को हवन और भंडारा

दूसरे दिन 16 फरवरी, सोमवार को सायं 4 बजे से हवन और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति ने बताया कि भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

महाशिवरात्रि के अवसर पर स्वम्भू झारखंडेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण, मुसइतपुर

आयोजन की जिम्मेदारी पं. सदाशिव तिवारी, आचार्य पं. उत्कर्ष तिवारी और पं. हर्ष तिवारी संभाल रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए स्वयंसेवकों की ड्यूटी लगाई गई है।

यूजीसी-नेट में बीएनकेबी पीजी कॉलेज का शानदार प्रदर्शन

असिस्टेंट प्रोफेसरशिप, जेआरएफ और पीएचडी प्रवेश में छात्रों ने दर्ज की बड़ी सफलता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बी.एन.के.बी. पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, अकबरपुर के छात्र-छात्राओं ने यूजीसी-नेट दिसंबर 2025 परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा घोषित परिणामों में महाविद्यालय के कई विद्यार्थियों ने असिस्टेंट प्रोफेसरशिप, जूनियर रिसर्च फेलोशिप (JRF) तथा पीएचडी प्रवेश के लिए अर्हता प्राप्त कर संस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। विभिन्न विषयों में उच्च परसेंटाइल और मजबूत प्रदर्शन के साथ इन विद्यार्थियों ने अकादमिक प्रतिस्पर्धा में अपनी क्षमता सिद्ध की है। परिणामों ने महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और तैयारी के स्तर को भी रेखांकित किया है।

समाजशास्त्र, संस्कृत, हिंदी,

भूगोल, राजनीति विज्ञान और वाणिज्य जैसे प्रमुख विषयों में मिली सफलता महाविद्या-लय की मजबूत अकादमिक आधारशिला को दर्शाती है। यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में एक साथ कई विषयों में सफलता संस्थान की शिक्षण पद्धति, नियमित शैक्षणिक अनुशासन और मार्गदर्शन व्यवस्था को रेखांकित करती है।

दिसंबर 2025 सत्र की परीक्षा देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में बीएनकेबी पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों का चयन उल्लेखनीय उपलब्धि माना जा रहा है। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शुचिता पांडेय ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उच्च शिक्षा में युवाओं की बढ़ती भागीदारी और शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इसी प्रकार लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। असिस्टेंट प्रोफेसरशिप, जेआरएफ और पीएचडी प्रवेश के लिए मिली पात्रता विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा और शोध के क्षेत्र में नए अवसर खोलेगी।

अधिवक्ता कल्याण समिति चुनावः नामांकन प्रक्रिया शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अधिवक्ता कल्याण समिति अंबेडकरनगर के सदस्यों के निर्वाचन के लिए 17 फरवरी को होने वाले मतदान के मद्देनजर जनपद न्यायालय स्थित अधिवक्ता सभागार में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशी अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं।

कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. प्रेमलता भारती ने चुनाव अधिकारी तारा कांत त्रिपाठी और सुनील श्रीवास्तव के समक्ष अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। नामांकन के दौरान उनके साथ बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष राज्यवर्धन पाण्डेय, विवेक सिंह, विनय मिश्र सहित बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। नामांकन के बाद डॉ. प्रेमलता भारती ने अधिवक्ता साथियों से सहयोग और समर्थन की अपील

कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए डॉ. प्रेमलता भारती ने किया पर्चा दाखिल

की। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा और उनके अधिकारों को सुदृढ़ करने के लिए वह निरंतर कार्य करने को प्रतिबद्ध हैं। समिति के माध्यम से अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी।

अधिवक्ता कल्याण समिति के निर्वाचन को लेकर अधिवक्ता समुदाय में सक्रियता बढ़ गई है।

तीन दिवसीय शिविर के प्रथम दिन 36 प्रतिभागियों को दी गई आपातकालीन चिकित्सा की जानकारी

एमआरए मेडिकल कॉलेज में एंबुलेंस चालकों व ईएमटी का प्रशिक्षण शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शासन के निर्देशानुसार महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज में एंबुलेंस चालकों एवं आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियनों (ईएमटी) के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। 10 से 12 फरवरी तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रधानाचार्य डॉ मुकेश यादव के मार्गदर्शन और वाहन प्रभारी डॉ विवेक श्रीवास्तव के अनुरोध पर निश्चेतना विभागाध्यक्ष डॉ राना प्रताप के नेतृत्व में शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जनपद में संचालित एएलएस (एडवांस लाइफ सपोर्ट) और बीएलएस (बेसिक

लाइफ सपोर्ट) एंबुलेंस के चालक तथा ईएमटी कर्मचारी प्रतिभाग कर रहे हैं।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में कुल 108 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जाना है। प्रतिदिन 36 प्रतिभागियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की क्षमता विकसित करना है। इसके अतिरिक्त सड़क दुर्घटना, हृदयाघात, श्वास अवरोध और अन्य गंभीर परिस्थितियों में एंबुलेंस कर्मियों की भूमिका पर भी मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में शामिल एंबुलेंस चालकों और ईएमटी कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और आ प त क ल ीन सेवाओं में समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानाचार्य ने प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से आ प त क ल ीन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है और कर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ता है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के शेष सत्रों में भी व्यावहारिक अभ्यास और तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी।

सीपीआर और प्राथमिक उपचार पर विशेष जोर

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न आपात स्थितियों में मरीजों की जान बचाने के लिए प्राथमिक उपचार की तकनीक, समय प्रबंधन का महत्व और सीपीआर की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) एक जीवन रक्षक प्रक्रिया है, जिसका उपयोग उस स्थिति में किया जाता है जब किसी व्यक्ति की सांस या हृदय गति रुक जाती है। विशेषज्ञों ने सीपीआर की सही तकनीक का प्रदर्शन कर व्यावहारिक अभ्यास भी कराया।

मौलाना आज़ाद गर्ल्स इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्राओं को विदाई

प्रभारी निरीक्षक अजय प्रताप ने कहा शिक्षा और अनुशासन से बनाएं मजबूत भविष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। मौलाना आज़ाद गर्ल्स इंटर कॉलेज में बुधवार को कक्षा 12 की छात्राओं के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं के शैक्षिक सफर, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को लेकर विचार साझा किए गए। विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों की उपस्थिति रही।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जलालपुर अजय प्रताप ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास जीवन की सफलता के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने कहा कि छात्राएं जहां भी जाएं, अपने ज्ञान और संस्कार से परिवार, विद्यालय और क्षेत्र का नाम आगे बढ़ाएं। उन्होंने परिश्रम और ईमानदारी को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए प्रतियोगी माहौल में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी।

विद्यालय प्रबंधक मौलाना मोहम्मद खालिद कासमी ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की पहचान उसकी छात्राओं की उपलब्धियों से बनती है। उन्होंने कहा कि विद्यालय से प्राप्त शिक्षा और संस्कार आगे की चुनौतियों का सामना करने में सहायक होंगे। उन्होंने छात्राओं से उच्च शिक्षा और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

प्रधानाचार्या गुलिस्तां अंजुम ने छात्राओं के शैक्षणिक प्रदर्शन और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय परिवार को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं के बाद छात्राएं जिस भी क्षेत्र का चयन करें, उसमें निरंतर मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखें।

हज यात्रा 2026: टीकाकरण और प्रशिक्षण की तिथियां घोषित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हज यात्रा 2026 पर जाने वाले चयनित यात्रियों के लिए टीकाकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी हज यात्रियों के लिए क्वाड्रीवेलेंट मेनिंजाइटिस वैक्सीन और सीजनल इन्फ्लुएंजा वैक्सीन सहित अन्य आवश्यक टीकाकरण अनिवार्य किया गया है। बिना वैध टीकाकरण प्रमाण पत्र के यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जिला प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार जनपद अंबेडकर-नगर के हज यात्रियों के लिए टीकाकरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला मुख्यालय पर आयोजित किया जाएगा। सभी चयनित यात्रियों को निर्धारित तिथि और स्थल पर उपस्थित होकर अनिवार्य टीकाकरण कराना होगा।

कार्यक्रम के दौरान टीकाकरण के साथ हज यात्रा से संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसमें यात्रा

14 व 17 फरवरी को जिला मुख्यालय पर होगा आयोजन, प्रमाण पत्र अनिवार्य

प्रक्रिया, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां, आवश्यक दिशा-निर्देश और व्यवस्थाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। सभी हज यात्रियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने पासपोर्ट की प्रति तथा अन्य आवश्यक अभिलेख साथ लेकर निर्धारित स्थल पर समय से उपस्थित हों। दस्तावेजों के अभाव में टीकाकरण और औपचारिकताएं पूर्ण नहीं हो सकेंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि टीकाकरण प्रमाण पत्र हज यात्रा के लिए अनिवार्य होगा।

आयोजन : भाजपा नेताओं ने अंत्योदय के संकल्प को दोहराया, ग्रैंड विनायक होटल में गोष्ठी

पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया। जिला मुख्यालय स्थित ग्रैंड विनायक होटल में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित गुप्ता उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने की। वक्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन, विचार और अंत्योदय के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने राजनीति को वैचारिक आधार प्रदान किया। उन्होंने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के दर्शन के माध्यम से संगठन को दिशा दी। उन्होंने कहा कि 1937 से 1947 का कालखंड स्वतंत्रता आंदोलन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहा और उसी दौर में वैचारिक आधार मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उनके सिद्धांतों को संगठनात्मक कार्यशैली में उतारने का प्रयास कर रहे हैं।

अंत्योदय और सामाजिक समरसता पर जोर

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का विचार दिया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन गरीब, दलित और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि अंत्योदय का सिद्धांत आज भी नीति निर्धारण का आधार है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की सरकारों ने तुष्टीकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जनहित आधारित व्यवस्था के पक्षधर थे।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा, ज्ञान सागर सिंह, रमाशंकर सिंह, पूर्व विधायक त्रिवेणी राम, जय राम विमल, अनीता कमल, ब्लाक प्रमुख संजय सिंह, आनंद वर्मा, विद्यावती राजभर, जिला मीडिया प्रभारी बाल्मीकि उपाध्याय, कार्यक्रम संयोजक दीपक तिवारी, सह संयोजक धीरेंद्र प्रताप सिंह, नंदकुमार तिवारी राना, सतपाल पटेल, मंडल अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव, शशि द्विवेदी, अरविंद सिंह डिंपू, सर्वेश प्रताप सिंह, लाल बहादुर पाल, विनय कुमार सिंह, सुग्रीम कन्नौजिया, रमाशंकर उपाध्याय, राम धनी सोनकर समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बोलेरो ने बुजुर्ग को कुचला, पेड़ से टकराई गाड़ी

भीटी क्षेत्र में सड़क हादसा, चालक वाहन छोड़कर फरार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भीटी क्षेत्र में बुधवार पूर्वाह्न तेज रफ्तार बोलेरो जीप अनियंत्रित होकर एक बुजुर्ग को कुचलते हुए सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में बुजुर्ग की मौके पर गंभीर हालत हो गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और वाहन को सीज कर लिया है।

महरुआ थाना क्षेत्र के गांव सेहरा जलालपुर निवासी देवनारायण गुप्ता पूर्वाह्न अपने घर से खेत देखने के लिए पैदल निकले थे। खेत से लौटते समय वह मिझौड़ा-महरुआ मार्ग से होकर गांव की ओर जा रहे थे। करीब साढ़े 11 बजे जब वह गांव जाने वाले संपर्क मार्ग के पास पहुंचे, उसी दौरान महरुआ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो जीप ने उन्हें टक्कर मार दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो की रफ्तार अधिक थी। बुजुर्ग को टक्कर मारने के बाद वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित पेड़ से जा भिड़ा। टक्कर इतनी तेज थी कि आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल बुजुर्ग को तत्काल भीटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

सम्पादकीय

अविश्वास का प्रस्ताव

लोकसभा में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच का गतिरोध तो टूट गया और बजट पर चर्चा भी शुरू हो गई, लेकिन कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ जिस तरह अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की, उससे यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के रिश्ते और अधिक कटु होने वाले हैं। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ सकता है। फिलहाल कहना कठिन है कि इस अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र होगा, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कुछ समय पहले विपक्ष ने राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ भी अविश्वास प्रस्ताव लाने की पहल की थी। आसार यही हैं कि जैसे वह अविश्वास प्रस्ताव कहीं नहीं पहुंच सका था, उसी तरह इस अविश्वास प्रस्ताव का भी कोई भविष्य नहीं।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव इसलिए लाया जा रहा है कि उन्होंने राहुल गांधी को सदन में बोलने का अवसर नहीं दिया। साफ है कि राहुल गांधी और उनके सहयोगी यह सिद्ध करना चाह रहे हैं कि नेता प्रतिपक्ष चीन के मामले में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के एक पत्रिका में छपे कथित अंशों के माध्यम से जो कुछ कहना चाह रहे हैं, वह इतना विस्फोटक और सनसनीखेज है कि मोदी सरकार संकट में पड़ जाएगी। यह एक तरह का दिवास्वप्न ही है, क्योंकि सब जानते हैं कि पिछले छह वर्षों में राहुल गांधी के ऐसे बयानों का कहीं कई असर नहीं हुआ। सच तो यह है कि उनके वे बयान भी असरहीन रहे, जिन्हें उन्होंने एटम बम वगैरह की संज्ञा दी थी।

चीन के मामले में राहुल गांधी एक तरह से गड़े मुर्दे उखाड़ने का काम कर रहे हैं। वे 2020 में गलवन में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच की झड़प के बाद की घटना पर जनरल नरवणे की जिस पुस्तक के बहाने यह बताना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री चीनी सेना की आक्रामकता से डर गए थे, वह अब तक अप्रकाशित है। इसे प्रकाशक ने भी स्पष्ट कर दिया है और खुद जनरल नरवणे ने भी।

आखिर ऐसे में राहुल गांधी उनकी कौन सी पुस्तक दिखाते फिर रहे हैं? वे अपने पक्ष को कमजोर ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि यह भी रेखांकित कर रहे हैं कि एक पुराने मामले को बेवजह तूल दे रहे हैं। राहुल कुछ भी कहने की कोशिश करें, यह किसी से छिपा नहीं कि खुद जनरल नरवणे कई बार यह कह चुके हैं कि भारतीय सेना ने चीनी सेना को सबक सिखाया था। यह भी सब जानते हैं कि भारतीय सेना की मुंहतोड़ जवाबी कार्रवाई के कारण ही चीन वार्ता की मेज पर आया था और सीमा पर कई क्षेत्रों में यथास्थिति कायम हुई। यह साफ है कि राहुल गांधी को इससे कोई मतलब नहीं। उनका एक सूत्रीय एजेंडा राजनीतिक कलह बढ़ाना है। लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव इसी का परिचायक है।

राहुल गांधी के बोलने का कितना असर?

संसद के बाहर सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं के आपसी रिश्ते कैसे भी हों, संसद के भीतर और यहां तक कि संसद परिसर में भी उनके बीच एक तरह का बैर भाव दिखता है। इसका एक उदाहरण राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच के उस संवाद से मिला, जिसमें राहुल गांधी ने जब बिट्टू को गद्दार दोस्त कहा तो जवाब में उन्हें उनसे देश का दुश्मन सुनना पड़ा।

इसके पहले राहुल गांधी की उपस्थिति में ही पक्ष-विपक्ष के सांसदों के बीच धक्कामुक्की भी हो चुकी है, जिसमें सत्तापक्ष के एक सांसद प्रताप सिंह सारंगी को चोट भी लगी थी। इस मामले में एफआइआर भी दर्ज हुई थी। पता नहीं उसका क्या हुआ। संसद के भीतर तो पक्ष-विपक्ष के बीच न जाने कितनी बार झड़प हो चुकी है। विपक्षी सांसदों को कई बार उनके उग्र और अमर्यादित व्यवहार के लिए निलंबित भी किया जा चुका है। पिछले दिनों भी लोकसभा से आठ सांसदों को निलंबित किया गया। जब ऐसा होता है तो संसद का चलना और कठिन हो जाता है।

यह बहुत आम है कि संसद के प्रत्येक सत्र के प्रारंभ में कई दिनों तक केवल हंगामा होता रहता है। इस सत्र में लोकसभा में कई दिन तक इसलिए हंगामा होता रहा, क्योंकि राहुल गांधी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के समय चीन के अतिक्रमण-कारी रवैये को लेकर पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के हवाले से कुछ कहना चाह रहे थे। उन्हें इस आधार पर इसकी अनुमति नहीं मिली, क्योंकि यह पुस्तक अभी प्रकाशित नहीं हुई है। राहुल गांधी का तर्क था कि वे एक पत्रिका में पुस्तक के अंश का उल्लेख करना चाह रहे हैं। उन्हें इसकी भी अनुमति नहीं मिली। इस पर हंगामा शुरू हो गया, जो कई दिनों तक जारी रहा।

- राजीव सचान

अमेरिका-यूरोप-इजरायल के खिलाफ चीन-रूस-ईरान में बढ़ती आर्थिक-सामरिक भागीदारी के वैश्विक निहितार्थ

> इस घटनाक्रम से कमोबेश भारत की कूटनीतिक और रणनीतिक स्वायत्तता भी प्रभावित होगी। इसलिए आइए इस रणनीतिक घटनाक्रम के विभिन्न विश्वव्यापी प्रभावों को क्रमबद्ध रूप से समझते हैं। क्योंकि अमेरिका-यूरोप-इजरायल के खिलाफ चीन-रूस-ईरान में बढ़ती आर्थिक-सामरिक भागीदारी के वैश्विक निहितार्थ स्पष्ट हैं।

जहां एक तरफ अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद आए दिन गहराते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ईरान का रूस और चीन के साथ आर्थिक और सामरिक समझौता लगातार मज़बूत होता जा रहा है। निकट भविष्य में इसके और प्रगाढ़ होने के आसार हैं। देखा जाए तो यह पारस्परिक और त्रिपक्षीय समझदारी दुनिया भर में ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह खाड़ी और अरब देशों में अमेरिकी/इजरायली-पश्चिमी वर्चस्व, वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था और व्यापार-ऊर्जा संरचना पर सीधा प्रभाव डालेगी। ऐसा ही हो भी रहा है।

पहला, वैश्विक शक्ति संतुलन पर प्रभावः रूस–चीन–ईरान "त्रिकोण" पश्चिमी प्रभुत्व वाली एकध्रुवीय दुनिया के विरोध में एक बहुध्रुवीय व्यवस्था का प्रतीक बन रहा है। ये तीनों देश अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं (जैसे UN Security Council) में एक–दूसरे की राजनयिक ढाल बनकर किसी भी नई प्रतिबंधप्रस्ताव या दबाव–अभियान को ब्लॉक करते हैं, जिससे अमेरिकी–यूरोपीय नीतिगत साधनों की प्रभावकारिता कम होती है।

दूसरा, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाः रूस और चीन के पास संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में स्थायी सदस्यता के कारण वीटो शक्ति है, जिसका उपयोग अक्सर ईरान के खिलाफ तेजी से कार्रवाई रोकने के लिए किया जाता है। लिहाजा इन शक्तियों का एकजुट सामने होने से गैरप्रसार (nonproliferation) और प्रतिबंधों को लागू करने वाले नियमढांचों पर दबाव पड़ता है, जिससे "आधिकारआधारित वैश्विक कानून" की छवि दर्जनों वर्षों के इतिहास भर में पहली बार चुनौती पर है।

तीसरा, प्रतिबंधों और "सैनेक्शनइवेज़न" की नई व्यवस्थाः ईरान, रूस और चीन तीनों पर पश्चिम की तरफ से सख्त या असमय आर्थिक प्रतिबंध लगे हैं, जिसने इन्हें "sanctionsresistant" आर्थिक जाल (रूबल–युआन–रियाल, तृतीयपक्ष अंतरबैंकिंग, जैवईंधन/कच्चा तेल ट्रेड मार्ग) विकसित करने को प्रेरित किया है। खासकर ईरान के "25year China deal" (2021) और 20वर्षीय "Russia–Iran Comprehensive Strategic Partnership Treaty" (2025) के तहत ऊर्जा, रेल–परिवहन, अंतर्देशीय बंदरगाहों और संचारइंफ्रास्ट्रक्चर पर सामंजस्य बढ़ा है, जिससे पश्चिमी वित्तीय नियंत्रण मंद पड़ रहा है। चतुर्थ, सैन्य–सुरक्षा त्रिकोण और उपक्षेत्रीय तनावः रूस ने यूक्रेन युद्ध में ईरानी "कामिकेज़" ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिसके बदले में ईरान को मिसाइल, उपग्रह और साइबर तकनीक मिली, जिससे दोनों की सैन्य संलग्नता गहरी हुई। इसलिए तीनों देशों ने पर्शियन खाड़ी, हिन्द महासागर और SCO ढांचे में संयुक्त नौसेना व फ़ौजी अभ्यास किए, जिससे अमेरिकीगठबंधन बेड़े को प्रतिद्वंद्विता प्रदान करने की क्षमता मजबूत हुई है। पांचवां, मध्य पूर्व, मध्य एशिया और भारत के लिए परिणामः ईरान का रूस–चीन समर्थन उसे ना केवल ऊर्जा बाजारों बल्कि सीरिया, इराक, येमन, गाजा तट जैसे युद्धों/संघर्षों में अमेरिकी–इज़रायली दबाव के बावजूद लचीला रहने की क्षमता दे रहा है, जिससे सामूहिक क्षेत्रीय अस्थिरता बनी रहती है। इससे मध्य एशिया और प्राचीन "सिल्क रोड" मार्गों पर चीन और रूस के आपसी प्रतिद्वंद्विता के बीच ईरान की जगह ऊर्जाटिकाऊ, लॉजिस्टिक और दक्षिण–पश्चिम मार्ग के रूप में उभरी है, जिससे भारत जैसी तृतीय बड़ी शक्तियां भी अपने संतुलनराजनीति (balancing act) को संवेदनशील तरीके से संभालने को बाध्य हैं। छठा, ऊर्जा बाजार और डॉलर के वैश्विक दबाव परः रूस और चीन ईरानी तेल–गैस को भुगतान में युआन–रूबल–रियाल सहित उपकरणों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय तेल व्यापार में अमेरिकी डॉलर के लिए वैकल्पिक "सेटलमेंट व्यवस्था" धीरेधीरे मजबूत हो रही है। यद्यपि ये तीनों प्रमुख साबस्क्राइप्टर्स नहीं हैं, फिर भी उनकी समन्वित नीतियां "carboncredit" व शुल्कआधारित वैश्विक धाराओं को टिकाऊ रूप से चुनौती देती हैं, जिससे मानवनिर्मित जलवायु समझौते की वार्ता भी राजनीतिक रंग ढाल रही है। सातवां, भारत और दक्षिण एशिया के लिए निहितार्थः भारत ओमान, अन्य Persian गल्फ देशों और चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (CPEC) के साथसाथ ईरान–दबाव संदर्भ में अपनी नई पनडुब्बी–तट रेखा, ऊर्जासुरक्षा और साइबर मित्रता रणनीति को "हल्के" हथियारों के साथ बनाने पर मजबूर है। ईरान की रूस–चीनसमर्थित ऊर्जासुरक्षा नीतियों और उनका चक्रवातप्रवण क्षेत्र तटीय मार्गों पर प्रभाव; भारतीय महासागरीय योजनाओं (जैसे SAGAR) के लिए जटिल, लेकिन अनिवार्य तौर पर नई "मल्टीअक्टर" गठबंधन—निर्माण अभ्यास की मांग है।

- कमलेश पांडेय

विरह की अग्नि में जलती...

प्रमोद दीक्षित मलय

रेडियो के सुनहरे सफर के स्मरण का दिन

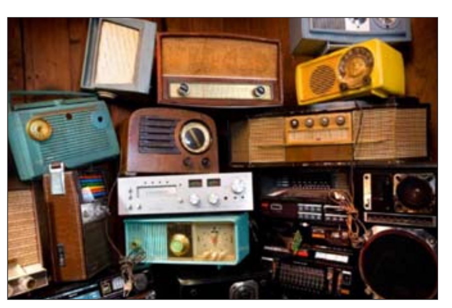

सुनहरी और खट्टी-मिट्ठी स्मृतियों को सहेजे रेडियो अपनी जीवन-यात्रा का शतक पूरा कर आगे बढ़ रहा है। पूरी दुनिया में रेडियो ने श्रोता वर्ग से जो सम्मान और प्यार हासिल किया वह अन्य किसी माध्यम को न मिला और न कभी मिल सकेगा। विविध इंद्रधनुषी कार्यक्रमों के द्वारा रेडियो ने न केवल मनोरंजन, जागरूकता और शिक्षा संस्कार के वितान को समुज्ज्वल किया बल्कि राष्ट्रीय एकता-अखण्डता के ध्वज को भी थामे रखा। सुदूर दक्षिण के तमिल, तेलुगू, कन्नड, मलयालम भाषी जन हों या उत्तर का कश्मीरी-डोंगरी, हिमाचली समुदाय। हरियाणवी, राजस्थानी भाषा के चित्ताकर्षक रंग हो या ब्रज, बुंदेली, बघेली और अवधी बोलियों की मधुमय मृदुल रसधार। पूर्वोत्तर की मिजो, नागा, त्रिपुरा, असम की क्षेत्रीय भाषायी समृद्धि हो या मराठी, गुजराती, पंजाबी की मधुर वाणी। सभी को रेडियो ने स्वर दिए और विस्तार एवं संरक्षण का रेशमी फलक भी। हिन्दी के राष्ट्रीय प्रसारणों को सम्पूर्ण देश ने सुना और गुना तथा सर्जना के सुवासित सुमन पोषित कर पल्लवित-विकसित किए। रेडियो ने जन-जन का बाहें फैलाकर स्वागत किया। भारत में तो रेडियो परिवार के सदस्य की तरह रहा और है। आज की पीढ़ी के पास भले ही इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के रूप में मनोरंजन, ज्ञान-विज्ञान और शिक्षा के तमाम संसाधन एवं विकल्प मौजूद हों पर वह संतुष्ट नहीं है। लेकिन पूर्व पीढ़ी के पास केवल रेडियो था और आत्मीय संतुष्टि भी। रेडियो ने भी कभी निराश नहीं किया। खेत की मेड़ पर विराजे रेडियो अपने कृषि कार्यक्रमों से खेत जोतते और फसल काटते किसान को निरन्तर खेती के नवीन तौर-तरीके सिखाते रहे। पनघट पर गगरियों में जल भरतीं युवतियां और कुएं की जगत् पर मधुर गीत बिखेरता रेडियो अपना प्रिय ही जान पड़ता। विरह की अग्नि में जलती कामिनी को रेडियो के गीत मिलन की आस बंधाते। नीम तले चबूतरे पर बैठी पंचायतों के बीच भी वह रस बरसाता रहा। विद्यार्थियों का तो संगी ऐसा कि मेज पर रेडियो बजता रहता और उधर कागज पर कलम चलती रहती। बूढ़े-बुजुर्ग के समाचार सुनते समय किसी की क्या हिम्मत की स्टेशन बदल दें। रेडियो एकाकीपन का साथी था तो सूचना एवं ज्ञान का खजाना भी। कला, साहित्य, संगीत एवं संस्कृति का प्रसारक था तो कृषि, विज्ञान, खगोल एवं भूगोल के क्षेत्र में नित नवीन खोज, अनुसंधान एवं शोधों का संचारक भी। रेडियो पर संकट के बादल छाये पर उसने अपनी प्रकृति और जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा। श्रोता कभी बहका पर कहीं टिक न सका, संतुष्टि न पा सका और लौट कर रेडियो की शरण ली; ज्यों जहाज को पंछी उड़ि जहाज पर आयो। वैश्विक स्तर पर जन जागरूकता के लिए दिवस मनाने की परम्परा रही है जिस पर लक्ष्य और विषय निर्धारित कर आयोजन किये जाते हैं। पर रेडियो के पास अपना कोई दिवस न था। तो इस कमी को पूरा करने की दृष्टि से 20 अक्टूबर, 2010 को स्पेनिश रेडियो अकादमी के अनुरोध पर स्पेन ने संयुक्त राष्ट्रसंघ में रेडियो को समर्पित विश्व दिवस मनाने हेतु सदस्य देशों का ध्यानाकर्षण किया, जिसे स्वीकार कर संयुक्त राष्ट्रसंघ के शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को ने पेरिस में आयोजित 36वीं आमसभा में 3 नवम्बर, 2011 को घोषित किया कि प्रत्येक वर्ष 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि 13 फरवरी को ही संयुक्त राष्ट्र की 'रेडियो यूएनओ' की वर्षगांठ भी होती है क्योंकि 1946 को इसी दिन वहां रेडियो स्टेशन स्थापित हुआ था। और तब पहली बार 13 फरवरी, 2012 को यह विश्व रेडियो दिवस उमंग-उत्साह पूर्वक पूरी दुनिया में मनाते हुए रेडियो के सफरनामे को याद किया गया। इस आयोजन में विश्व की प्रमुख प्रसारक कंपनियों को बुलाया गया था जिसमें 44 भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी एवं पुरानी कंपनी रेडियो रूस भी शामिल हुई। वर्ष 2012 और 13 में कार्यक्रम की कोई थीम नहीं रही पर उसके बाद प्रत्येक वर्ष एक थीम तय की जाती हैं। पिछले वर्ष 2025 की थीम थी - रेडियो और जलवायु परिवर्तन। वर्ष 2026 का विषय है- रेडियो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जो सामयिक है और आवश्यक भी। विश्व के सभी देशों के रेडियो प्रसारकों और श्रोताओं को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से शुरू की गई यह पहल अपने उद्देश्यों में सफल रही है। भारत में रेडियो प्रसारण के शुरुआती प्रयास बहुत सफल नहीं रहे। कुछ उत्साही आपरेटरों ने 20 अगस्त, 1921 को अनधिकृत रूप से बम्बई, कलकत्ता, मद्रास और लाहौर से प्रसारण किया पर वे उसे आगे न ले जा सके। निजी ट्रांसमीटरों के द्वारा 1924 में मद्रास प्रेसीडेंसी क्लब ने प्रसारण आरम्भ किया पर उसने तीन वर्ष में ही दम तोड़ दिया।

इस दिन...

संतोष कुमार तिवारी

शिव और शक्ति के मिलन का महापर्व है महाशिवरात्रि

महाशिवरात्रि एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है, जो भगवान शिव की पूजा और उपासना के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। महाशिवरात्रि का महत्व भगवान शिव की पूजा और उपासना से जुड़ा हुआ है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उसके जीवन में सुख-शांति आती है। इस दिन भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, और अन्य पूजा सामग्री अर्पित की जाती है। महिलाएं और कुंवारी कन्या महाशिवरात्रि को व्रत रखती है और कहीं कहीं रात को जागरण किया जाता है और भगवान शिव की पूजा आराधमा की जाती है। इस दिन बहुत लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा में लीन रहते हैं। महाशिवरात्रि का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टि से है, बल्कि यह त्योहार सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इस दिन लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर भगवान शिव की पूजा करते हैं और इस त्योहार को मनाते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर कई स्थानों पर मेले और उत्सव आयोजित किए जाते हैं, जहां लोग एकत्र होते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि का इतिहास पुराणों में वर्णित है। एक कथा के अनुसार, भगवान शिव ने इस दिन अपना तांडव नृत्य किया था, जिससे सृष्टि का निर्माण हुआ था। एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान शिव ने इस दिन अपना विवाह माता पार्वती से किया था।महा-शिवरात्रि की पूजा करने से व्यक्ति को कई लाभ होते हैं। इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उसके जीवन में सुख-शांति आती है। महाशिवरात्रि की पूजा करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और उसे भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

महाशिवरात्रि का महत्व विभिन्न संस्कृतियों में अलग-अलग है। हिंदू धर्म में महाशिवरात्रि का महत्व बहुत अधिक है। इस अवसर पर कई स्थानों पर तमाम कार्यक्रम जैसे शिव बारात, भजन संध्या, गीत-संगीत आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में भगवान शिव की पूजा, अभिषेक, और रुद्राभिषेक शामिल हैं। इस दिन लोग उपवास रखते हैं और भगवान शिव की पूजा में लीन रहते हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर कई स्थानों पर मेले और उत्सव आयोजित किए जाते हैं, जहां लोग एकत्र होते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं।

महाशिवरात्रि पर्व का आध्यत्मिक महत्व के साथ-साथ वैज्ञानिक महत्व भी रखता है, जो इस त्योहार को और भी महत्वपूर्ण बनाता है। महाशिवरात्रि फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी सबसे कमजोर स्थिति में होता है।

जरा हटके

डिजिटल व्यवस्था...

ललित गर्ग

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है।

परिवर्तन

यह तो हम सब जानते हैं कि सुख और दुःख तो धूप छाँव की तरह हैं। वह यदि जीवन में होने वाले आकस्मिक परिवर्तनों के प्रति भी हम सही सोच मन में धारण कर लें तो बदलाव को स्वीकार करना बहुत सहज हो जाएगा । आज प्रत्येक व्यक्ति चाहता है की में दूसरों पर हुकूमत करूँ । वह दूसरे मेरे नियंत्रण में रहे । मेरा शासन हर-एक व्यक्ति पर चले। इस मनोवृत्ति का परिणाम यह होता हैं की मनुष्य स्वयं को भूल बैठता हैं। अपने भीतर की परख को छोड़कर वह बहिर्जगत में देखना शुरू कर देता हैं और उस ओर बढ़ता चला जाता हैं। वह उसने यह जानने की कोशिश भी नही की कि स्वयं के जीवन की धारा किधर जा रही है।उसका परिणाम यह होता हैं की मनुष्य उन्नति की अपेक्षा अवनति की ओर चला जाता हैं । सृष्टि का यह शाश्वत नियम हैं कि इस ब्रह्मांड में कुछ भी स्थायी रहने का नियम नहीं है । आदिकाल के पाषाण युग से परिवर्तित होते-होते हम आज के आणविक युग तक आ गए हैं। वह और न जाने आगे अब कहाँ तक पहुँचेंगे। इस परिवर्तनशीलता में नश्वरता का स्वभाव सहायक है । वर्तमान नश्वर होकर जाएगा तभी तो नूतन नव सपने संजोकर आएगा । वह जो व्यक्ति इस नश्वरता को जान लेता है, वह कभी दुःखी नहीं होता है।वह हर आवश्यक परिवर्तन को सहर्ष स्वीकार कर लेता है।यहाँ तक कि उसका मृत्यु से भी भय समाप्त हो जाता है। इसी कारण वर्तमान को अधिक प्रेम से जीता है। उसका मन मोह से मुक्त हो जाता है। इसलिए कहते हैं कि नश्वरता हमें हर क्षण को अनमोल बनाना सिखाती है। अतः हम समझें वर्तमान में जीना ही अमरता का स्वाद है । यह तथ्य निर्विवाद है । इसको हृदयंगम करने वाला कभी असंतुष्ट नहीं होता हैं । हर परिवर्तन को सृष्टि का शाश्वत नियम समझ कर संतुष्ट ही रहता है। यह परिवर्तन प्रकृति का नियम हैं । सबकुछ बदलता हैं । स्थायी, शाश्वत केवल अस्तित्व रहता है । वह कोई भी आकार, नाम,रूप आदि स्थायी नहीं रहता हैं । मैं आज बोरावड़ में हूं । वह पूछा जाए कि दो सौ वर्ष पहले वहां कौन कौन व्यक्ति थे । उनका सबका नाम बताओं । पता नहीं कोई बता सकेगा या नहीं ? दो सौ वर्ष पहले यह मकान कहां था ? वह जिस भवन में हम बैठे है इस मकान की जमीन की क्या स्थिति थी ? वह सब कहते हैं कि बड़ी विचित्र कहानी हैं । नए का निर्माण और पुराने का विघटन होता रहता हैं । वह परिवर्तन तो होता हैं किंतु परिवर्तन को स्वीकार करना बड़ा कठिन हैं । वह बदलाव को स्वीकार करना हर किसी के वश की बात नहीं हैं । कोई बहुत ही समझदार होता हैं वही स्वीकार कर सकता हैं । वह परिवर्तन को समझना बड़ा कठिन हैं । कोई समझाने वाला हो तो भी यह आसान नहीं हैं ? वह कोई समझाने वाले समर्थ गुरु मिले और उसको समझा दें स्पष्टता से तो अलग बात हैं । सामान्य व्यक्ति के लिए यह संभव नहीं हैं । वह समर्थ गुरु होते हैं वह बदलाव कर देते हैं । चेतना को बदल देते हैं । परिवर्तन जीव और अजीव सभी में स्वाभाविक है । वह गुण हमेशा साथ रहता है और पर्याय बदलते रहते है ।

> प्रदीप छाजेड़

रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज ने याचिका दायर की, 2 बच्चे कोर्ट में पेश किए

अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बच्चों से कुकर्म का आरोप

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बच्चों के यौन शोषण का आरोप लगाया है।

उन्होंने 8 फरवरी को प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में याचिका दायर करके कहा– गुरुकुल की आड़ में वह बाल उत्पीड़न करते हैं। अपने आरोपों की पुष्टि के लिए आशुतोष ब्रह्मचारी ने 2 बच्चों को भी पेश किया। उन्होंने कहा-अविमुक्तेश्वरानंद अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। उनके पास आय से अधिक संपत्ति है। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। कोर्ट के नोटिस पर अविमुक्तेश्वरानंद के वकील ने 10 फरवरी तक जवाब दाखिल करके आशुतोष महाराज पर आरोप लगाए। अब 20 फरवरी को दोनों पक्षों के वकील कोर्ट में पेश होंगे।

बता दें कि चित्रकूट की श्री तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही मस्जिद ईदगाह के मुख्यवादी और पक्षकार भी हैं। दरअसल, माघ मेले में हुए विवाद के बाद रामभद्राचार्य और अविमुक्तेश्वरानंद आमने-सामने आ गए थे। जब प्रशासन ने आशुतोष महाराज की शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की, तो उन्होंने 8 फरवरी को कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें उन्होंने लिखा- मेरे ट्रस्ट की ओर से माघ मेला में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुक्ति के लिए माता शाकुंभरी देवी का महायज्ञ किया जा रहा है। मेरे शिविर में 2 शिष्य आए, जो नाबालिग हैं।

मौनी अमावस्या पर प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी रोकी थी

18 जनवरी को माघ मेले में मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी पुलिस ने रोक दी। पुलिस ने उनसे पैदल संगम जाने को कहा। शंकराचार्य के शिष्य नहीं माने और पालकी लेकर आगे बढ़ने लगे।

इस पर शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने कई शिष्यों को हिरासत में ले लिया था। पुलिस ने एक साधु को चौकी में भी पीटा था।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही मस्जिद ईदगाह के मुख्यवादी, पक्षकार आशुतोष ब्रहमचारी महाराज ने पुलिस-प्रशासन को भी लेटर लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

पहले पुलिस कमिश्नर से शिकायत की, फिर कोर्ट गए

24 जनवरी यानी मौनी अमावस्या के 6 दिन बाद आशुतोष महराज ने प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर से अविमुक्तेश्वरानंद की 2 शिकायतें की थीं। पहली शिकायत में आरोप लगाया कि अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर और गुरुकुल में नाबालिग बच्चों को रखा जाता है। उनसे निजी सेवा, भीड़ जुटाने, कार्यक्रमों और पालकी उठवाने जैसे काम कराए जाते हैं। बच्चों का यौन शोषण होने की भी आशंका है।

माघ मेले जैसे बड़े आयोजनों में भी बच्चों से काम कराया गया। यह बाल अधिकार और श्रम कानूनों का उल्लंघन है। शिविर में अवैध हथियार होने की भी आशंका है। आय से अधिक संपत्ति और कई बैंक खातों की जांच की जानी चाहिए। मुकुंदानंद नाम के व्यक्ति की भूमिका की जांच कराई जाए। दूसरी शिकायत में आशुतोष महराज ने अविमुक्तेश्वरानंद पर फर्जी लेटरपैड और दस्तावेज बनाने का आरोप लगाया। कहा कि माघ मेला क्षेत्र में अविमुक्तेश्वरानंद खुद को ज्योतिष्पीठ का शंकराचार्य बता रहे। वह "ज्योतिष्पीठ/श्री शंकराचार्य शिविर" के नाम से लेटरपैड और दस्तावेज बनवाकर अफसरों को पत्र भेज रहे।

ब्राह्मण सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु शर्मा पहुंचे फरह

समाज के लोगों ने किया जोशीला स्वागत

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। ब्राह्मण सेवा संघ (पंजी)उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंडित विष्णु शर्मा बुधवार सुबह करीब 10 बजे मथुरा के कस्बा फरह क पहुंचे जहां समाज के लोगों ने उनका जोशीले अंदाज में स्वागत किया। कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और समाज की एकजुटता का संदेश दिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने समाज की दिशा और दशा को लेकर विस्तृत मंथन किया तथा संगठन को मजबूत बनाने और उसके विस्तार की रणनीति पर चर्चा की।

बैठक में समाज में एकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। महावन क्षेत्र में हाल ही में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की हुई दर्दनाक मौत पर पंडित विष्णु शर्मा ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है और ऐसे हादसों से सबक लेकर समाज को और अधिक जागरूक होने की जरूरत है। यदि पड़ोसी एक-दूसरे के सुख-दुख से जुड़े रहें और समय पर हालात को समझें, तो कई घटनाओं को टाला जा सकता है।

बैंड-बाजा-बारात से ट्रैफिक रुकने पर एसीपी ने लिखाई एफआईआर

वाराणसी । वाराणसी में मंगलवार की आधी रात सड़क घेरकर सड़क पर बारात निकालने और यातायात प्रभावित कराना लॉन संचालक, बैंड बाजा और लाइट मास्टर को महंगा पड़ गया। ट्रैफिक में रुकावट देखकर मौके पर पहुंचे एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने सभी पर एक्शन लिया।

तेज आवाज़ में डीजे बजाने एवं वैष्णवी लॉन के आगे 75 प्रतिशत से अधिक रोड कवर करने के आरोप में डीजे, लाइट एवं लॉन वाले के विरुद्ध FIR दर्ज करने का निर्देश दिया। यातायात समस्या उत्पन्न करने पर कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के बाद बरातियों और घरातियों में हड़कंप की स्थिति है।

पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने इस संबंध में म्यूजिक सिस्टम, बैंड बाजा और बरात घर संचालकों के साथ बैठक में नियमों का पालन करने के निर्देश दिए थे। पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आयोजित होने वाले मेगा विधिक सेवा शिविर की तैयारियों की समीक्षा

- बैठक की अध्यक्षता माननीय अपर जिला न्यायाधीश / नोडल अधिकारी श्री शरद कुमार चौधरी, सचिव श्री प्रतीक त्रिपाठी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी द्वारा समन्वय बैठक की गई।

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । वृहद सेवा एवं सहायता शिविर के आयोजन हेतु NGO के समन्वय बैठक ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण झांसी में आयोजित की गई। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी माननीय श्रीमती कमलेश कच्छल मार्ग दर्शन में आज जिले के विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य आगामी 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले मेगा विधिक सेवा शिविर की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की तथा प्रशासन और सामाजिक संगठनों के मध्य सुदृढ़ समन्वय स्थापित करना रहा। अपने संबोधन में माननीय नोडल अधिकारी महोदय ने कहा कि न्याय तक सब की पहुंच सरल, त्वरित रूप से सुनिश्चित हो, विधिक सेवा संस्थाओं की मूल प्रतिबद्धता है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि मेगा शिविर के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विधिक सहायता, परामर्श एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने अधिकारियों एवं संगठन प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें शिविर से जोड़ने के लिए योजनाबद्ध एवं परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार की जाए प्राप्त कर सकें। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयासों से यह मेगा शिविर न्याय तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

घटना में प्रयुक्त 01 रिवाल्वर, 02 जिन्दा कारतूस व 04 खोखा कारतूस के साथ गिरफ्तारी

झाँसी पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही सख्त कार्य वाही

तमसा संकेत, संवाददाता

मऊरानीपुर- झांसी । पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त को 01 अवैध रिवाल्वर, 02 जिन्दा कारतूस व 04 खोखा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया,गिरफ्तार अभियुक्त को मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर, श्री आलोक सिंह व श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी श्री आकाश कुलहरि के कुशल मार्गदर्शन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी श्री बीबीजीटी-एस मूर्ति के कुशल निर्देशन में जनपद झाँसी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध झाँसी पुलिस द्वारा की जा रही प्रभावी कार्यवाही के क्रम में आज दिनांक 09.02.2026 को थाना मऊरानीपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0-49/2026 धारा 109(1)/115(2)/352/351(3) बीएनएस व 25/27 आर्म्स एक्ट में वांछित अभियुक्त मनीष कुमार पटेल पुत्र स्व० गंगा प्रसाद निवासी ग्राम सौजना, थाना- मोठ जनपद- झांसी को स्यावरी नहर पुलिया के पास बने यात्री प्रतिक्षालय से घटना में प्रयुक्त 01 रिवाल्वर, 02 जिन्दा कारतूस व 04 खोखा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। संक्षिप्त विवरण - दिनांक 06.02.2026 को थाना मऊरानीपुर पर वादी द्वारा दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर अवगत कराया गया कि दिनांक 05.02.2026 की रात्रि समय करीब 11.00 बजे वादी का अपने चाचा के बेटे की शादी में अपने परिवार व रिश्तेदारों के साथ बैण्ड बाजे पर नाचते समय साई पैलेसे के पास अभियुक्त द्वारा रिवाल्वर / पिस्टल से फायर किया गया, जो वादी के कान के पास से निकलकर गयी जिस पर वादी द्वारा गोली चलाने से मना किया गया। वादी द्वारा मना करने पर अभियुक्त द्वारा वादी को डराते -धमकाते हुए जानबूझकर कमर में पिस्टल सटाकर गोली मार देने से वादी गंभीर रुप से घायल हो गया। वादी के भाई व पिता द्वारा अभियुक्त को पकडने का प्रयास करने पर अभियुक्त धक्का-मुक्की करते हुए गालियां व धमकी देकर भाग गया। वादी की लिखित तहरीर के आधार पर थाना मऊरानीपुर पर मु०अ०सं० 49/2026 धारा-109(1)/11(2)/352/351 (3) बीएनएस व 25/27 आर्म्स ACT पंजीकृत किया गया था।

विवेचना के क्रम मे आज दिनांक 09.02.2026 को मुकदमा उपरोक्त से संबन्धित नामजद वांछित अभियुक्त- मनीष कुमार पटेल पुत्र स्व० गंगा प्रसाद, निवासी- ग्राम सौजना, थाना- मोठ, जनपद- झांसी को स्यावरी नहर पुलिया के पास बने यात्री प्रतीक्षालय से घटना में प्रयुक्त 01 रिवाल्वर, ॐ2 जिन्दा कारतूस व 04 खोखा कारतूस के गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

कांवड़ियों से मित्रवत व्यवहार करते हुए सेवा भाव से निभाएं दायित्व : डीएम

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। फाल्गुनी मेला–2026 (लोधेश्वर महादेवा) के सकुशल एवं सुव्यवस्थित आयोजन हेतु महादेवा ऑडिटोरियम में जोन एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा उनके कॉउंट-रपार्ट्स पुलिस अधिकारियों की ब्रीफिंग जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि नामित समस्त जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने आवंटित क्षेत्र में समय से उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए सतत भ्रमणशील रहें। प्रत्येक अधिकारी अपने सेक्टर में भीड़ प्रबंधन, बैरिकेडिंग, यातायात डायवर्जन, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। यह भी निर्देशित किया गया कि कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के साथ मित्रवत, संयमित एवं संवेदनशील व्यवहार रखा जाए तथा सेवा भाव के साथ दायित्वों का निर्वहन किया जाए।

- फाल्गुनी मेला-2026: जोन/सेक्टर मजिस्ट्रेटों की ब्रीफिंग सम्पन्न
- तैनात मजिस्ट्रेट अपने सम्बन्धित जोन/सेक्टर में सतत भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश

किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए उच्चाधिकारियों को तत्काल अवगत कराया जाए। जोनल मजिस्ट्रेटों को निर्देशित किया गया कि वे अपने अधीनस्थ सेक्टरों की सतत निगरानी रखें, समन्वय स्थापित करें तथा व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की शिथिलता न होने दें।

स्मार्ट डिलीवरी से लॉन्ड्री सेवाओं को आसान और किफायती बनाने की कोशिश

ड्रीबी की पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाली इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एमआईईटी के बीटेक कंप्यूटर साइंस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस निशांत चौधरी भी प्रतिभाग कर रहे हैं। आपको बताते चले, शहरों में लॉन्ड्री और ड्राई-क्लीनिंग सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए पिकअप और डिलीवरी हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। कभी ईंधन का बढ़ता खर्च, कभी देर से पिकअप, तो कभी हर ऑर्डर के लिए अलग-अलग चक्कर—इन सब समस्याओं से ग्राहक और डिलीवरी पार्टनर दोनों परेशान रहते हैं। इन्हीं रोज़मर्रा की दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए ड्रीबी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड ने एक नया और व्यावहारिक समाधान पेश किया है, जिसे स्मार्ट डिलीवरी बैच सिस्टम नाम दिया गया है।

ड्रीबी के संस्थापक निशांत चौधरी का कहना है कि उनका मकसद तकनीक को जमीनी जरूरतों से जोड़ना है। वे बताते हैं कि ड्रीबी के जरिए स्थानीय लॉन्ड्री और ड्राई-क्लीनिंग सेवाओं को डिजिटल रूप दिया जा रहा है, ताकि ग्राहक अपने आसपास के भरोसेमंद वेंडर्स से आसानी से जुड़ सकें। एक सरल मोबाइल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पूरी सेवा को व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया गया है।

ड्रीबी का यह सिस्टम काम करने के तरीके को थोड़ा बदल देता है। इसमें हर ऑर्डर को अलग-अलग संभालने के बजाय पास-पड़ोस के ग्राहकों के ऑर्डर एक साथ जोड़े जाते हैं। ड्रीबी ऐप पर जैसे ही कोई ऑर्डर किया जाता है, ग्राहक की लोकेशन अपने आप दर्ज हो जाती है। इसके बाद आसपास के इलाकों से आए 3 से 5 ऑर्डरों को मिलाकर एक छोटा सा बैच बनाया जाता है, ताकि डिलीवरी पार्टनर एक ही बार में कई

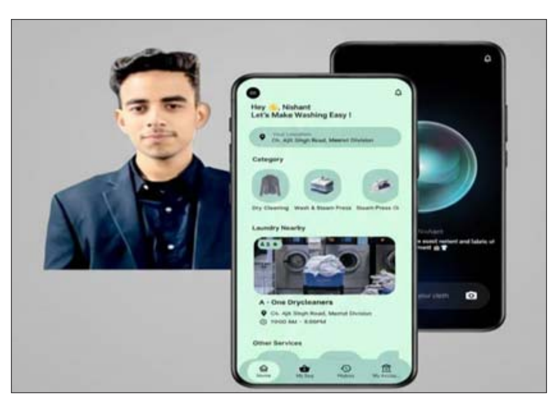

पिकअप या डिलीवरी कर सकें। जब बैच तैयार हो जाता है, तो सिस्टम सबसे आसान और कम दूरी वाला रास्ता खुद ही तय कर लेता है। इसके लिए आधुनिक रूट ऑप्टिमाइजेशन तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इसका सीधा फायदा यह होता है कि कम ईंधन खर्च होता है, समय की बचत होती है और डिलीवरी भी समय पर पूरी हो जाती है। अनावश्यक चक्करों में कमी आने से पूरी प्रक्रिया ज्यादा सुचारु और भरोसेमंद बन जाती है। निशांत चौधरी आगे कहते हैं कि उनका फोकस ऐसे सिस्टम तैयार करने पर है, जो कम लागत में भी बड़े स्तर पर काम कर सकें। बैच-आधारित डिलीवरी और स्मार्ट रूटिंग जैसे फीचर न केवल व्यवसाय को मजबूत बनाते हैं, बल्कि डिलीवरी करने वालों के काम को भी आसान करते हैं। ड्रीबी की यह पहल सिर्फ एक तकनीकी बदलाव नहीं है, बल्कि लॉन्ड्री सेवाओं को ज्यादा समझदार, सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में एक छोटा लेकिन अहम कदम मानी जा रही है।

मेरठ बिजनेस स्कूल व मेरठ मैनेजमेंट एसोसिएशन के बीच एमओयू

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के अंतर्गत संचालित मेरठ बिजनेस स्कूल ने मेरठ मैनेजमेंट एसोसिए-शन (एमएमए) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौते का उद्देश्य छात्र-केंद्रित गतिविधियों, औद्योगिक सहयोग, अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं एवं रोजगारपरक कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

एमओयू के तहत विद्यार्थियों को औद्योगिक अनुभव, मेंटरशिप एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही एमएमए के प्रमुख आयोजनों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी, जिससे उनकी पेशेवर दक्षता और रोजगार क्षमता को सुदृढ़ किया जा सके।

समझौते पर एमएमए के अध्यक्ष एस.पी. सिंह तथा एमआईटी, मेरठ के चेयरमैन विष्णु शरण ने हस्ताक्षर किए। इस

अवसर पर एमएमए के कोषाध्यक्ष रविचंद्रन, एमआईटी के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शर्मा एवं निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समन्वयन डीन-मैनेजमेंट डॉ. अंकुर गोयल ने किया। उनके साथ एचओडी-बीबीए हिमानी मिश्रा, एचओडी-कॉमर्स अभिजीत चटर्जी, एचओडी-एमबीए डॉ. रविंद्र कुमार तथा डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. संजय माथुर ने सक्रिय भूमिका निभाई। संस्थान प्रबंधन ने विश्वास जताया कि यह समझौता विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

घटना : घर से 200 मीटर दूर घने जंगल में मिला क्षत-विक्षत शव, पेट और गले का मांस गायब

पीलीभीत में महिला को बाघ ने मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत । पीलीभीत में 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को बाघ ने मार डाला। महिला जंगल में गई हुई थी। तभी झाड़ियों में छिपे बाघ ने हमला कर दिया। जबड़े में गला दबोचकर घने जंगल में लेकर चला गया।

परिजनों को सुबह महिला का शव कॉलोनी से महज 200 मीटर दूर जंगल में पड़ा मिला। महिला के पेट और गले का मांस गायब था। गले की हड्डी को बाघ ने तोड़ दिया था। शरीर पर खरोंच के कई निशान थे। आसपास की झाड़ियां टूटी हुई थीं, इससे अनुमान लग रहा कि महिला ने अपनी जान बचाने के लिए बाघ से संघर्ष किया। घटना जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर थाना न्यूरिया के महोफ वन रेंज की है। मृतका की पहचान महोफ कॉलोनी की 65 वर्षीय पारुल के रूप में हुई है।

परिजन की सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीमें पहुंचीं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। वन विभाग के अनुसार, अब तक बाघ के पंजों के निशान नहीं मिले हैं। मौत किसी वन्य जीव के हमले से ही हुई है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया- महोफ रेंज की बग्गा बीट में एक महिला का शव मिला है। प्रथम दृष्टया मामला वन्यजीव के हमले का लग रहा है, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सटीक कारण स्पष्ट होंगे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मंगलवार शाम से थी लापता

पति सुकुमार राय के अनुसार, पारुल मंगलवार दोपहर जंगल में लकड़ी लेने गई थी। काफी देर तक नहीं लौटी तो परिजन ने खोजबीन शुरू की लेकिन कुछ पता नहीं चला। परिजनों ने मंगलवार देर शाम पुलिस को सूचना दी। बुधवार सुबह बग्गा बीट क्षेत्र में ग्रामीणों ने जंगल के भीतर शव पड़ा देखा। इसकी सूचना वन विभाग को दी। आशंका है कि झाड़ियों में छिपे बाघ ने महिला पर अचानक हमला किया और जबड़े में दबोचकर घसीट ले गया।

यह घटना यूपी-उत्तराखंड सीमा के पास की है। यह इलाका पहले भी मानव-बाघ संघर्ष के लिए संवेदनशील माना जाता रहा है। घटना के बाद महोफ कॉलोनी और आसपास के गांवों में भय का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बाघ की हलचल पिछले कुछ दिनों से देखी जा रही थी।

मनीष सिंह ने बताया- वन विभाग ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। ग्रामीणों को अकेले जंगल की ओर न जाने, खासकर सुबह-शाम के समय सतर्क रहने की हिदायत दी है। बाघ की ट्रैकिंग करने की कोशिश की जा रही है।

प्रोटियन ई-गवर्नेंस ने किया एनपीएस का प्रस्तुतीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। प्रोटियन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला 2026 में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) को प्रस्तुत किया। यह पहल पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए), सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसियों तथा पंजाब नेशनल बैंक, एसबीआई पेंशन फंड्स और आदित्य बिड़ला कैपिटल पेंशन फंड मैनेजमेंट लिमिटेड जैसी संस्थाओं के सहयोग से की गई।

पीएफआरडीए के पूर्णकालिक सदस्य (कानून) रणदीप सिंह जगपाल ने कहा कि एनपीएस समय के साथ आधुनिक उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुरूप विकसित हुआ है और इसे दीर्घकालिक वित्तीय योजना के मुख्य आधार के रूप में स्थापित करना आवश्यक है। वहीं, प्रोटियन ई-गवर्नेंस के ग्रुप हेड (सोशल सिक्योरिटी एवं वेलफेयर) रणभीर सिंह धारीवाल ने कहा कि एनपीएस अब केवल पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना नहीं, बल्कि गिग वर्कर्स और स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए भी एक सशक्त वित्तीय विकल्प है।

करीब 15 लाख आगंतुकों वाले इस 15 दिवसीय मेले में दो सह-ब्रांडेड एनपीएस कियोस्क स्थापित किए गए हैं, जहां आगंतुकों को एनपीएस और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) से संबंधित जानकारी, नामांकन एवं खाता प्रबंधन संबंधी सहायता प्रदान की जा रही है। आयोजन के माध्यम से जटिल वित्तीय अवधार-णाओं को सरल और सुलभ रूप में आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

घायल ने समझौता कर लिया, बोला- कारोबारी का बेटा गाड़ी नहीं चला रहा था, ड्राइवर का सरेंडर

लेम्बोर्गिनी केस में यू-टर्न

समझौता

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर के लेम्बोर्गिनी केस में बुधवार को यू-टर्न हुआ। पहले कथित ड्राइवर ने दोपहर में कोर्ट में सरेंडर कर दिया। फिर मुकदमा दर्ज कराने वाले मो. तौसीफ ने समझौता कर लिया। वकील के साथ वह कोर्ट पहुंचा। ड्राइवर मोहन ने कहा कि शिवम मिश्रा की गाड़ी मैं ही चला रहा था। शिवम को दौरा पड़ गया था।

उस वक्त मैं घबरा गया था। कुछ समझ नहीं आया। इसी वक्त हादसा हो गया। जब शीशा तोड़ा और दरवाजा खोला गया तो मैं नीचे से निकल गया था। बाउंसर ने शिवम को निकाला था। हादसे के बाद मैं कोने में खड़ा हो गया था। शिवम को

दूसरी गाड़ी में ले जाया गया था। उन्होंने बताया कि हम सभी गाड़ी चला लेते हैं। इसके बाद शिवम मिश्रा के वकील नरेंद्र कुमार यादव ने कहा-घायल और मुकदमा दर्ज कराने वाले वादी मो. तौसीफ ने ड्राइवर के साथ समझौता किया है। वादी ने पहचान की है कि गाड़ी मोहन ही चला रहा था। वादी ने कहा है कि वह इस केस में अग्रिम कोई कार्रवाई नहीं चाहता है। बता दें कि लेम्बोर्गिनी कार ने रविवार को 6 लोगों को कुचल दिया था। इसका वीडियो सामने आया। पुलिस कमिश्नर ने जांच के हवाले से दावा किया कि

पुलिस की जांच में शिवम आरोपी

जिला शासकीय अधिवक्ता दिलीप अवस्थी ने कहा आरोपी शिवम मिश्रा की ओर से उनके वकील ने जब्त लेम्बोर्गिनी कार को रिलीज कराने के लिए अर्जी दाखिल की है। सुनवाई के दौरान मोहन ने कहा कि गाड़ी वह ड्राइव कर रहा था, जबकि कानपुर पुलिस ने अपनी जांच रिपोर्ट में शिवम मिश्रा को ही आरोपी ड्राइवर बताया है।

लेम्बोर्गिनी तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा का बेटा शिवम चला रहा था। शिवम मिश्रा का नाम भी FIR में जोड़ा गया था। केस की जांच कर रहे ग्वालटोली थाने के दरोगा

लेम्बोर्गिनी कार ने एक बुलेट सवार को भी जोरदार टक्कर मार दी थी। इसके बाद कार का अगला पहिया बुलेट पर चढ़ गया था

दिनेश कुमार ने अपनी जांच रिपोर्ट में शिवम को आरोपी माना है। सारे सबूत कोर्ट में पेश किए हैं। जल्द ACJM-7 कोर्ट इस मामले में आदेश सुनाएगा। पुलिस ने अपनी जांच में हादसे के बाद एक वीडियो शामिल किया है। इसमें हादसे के बाद लेम्बोर्गिनी के पीछे चल रही दूसरी कार से बाउंसर आते हैं। लेम्बोर्गिनी कार का शीशा ईंट से तोड़कर गेट खोलते हैं। लेम्बोर्गिनी की ड्राइविंग सीट से शिवम को बाहर निकालते हैं। दूसरी गाड़ी से लेकर उसे अस्पताल चले जाते हैं। पुलिस का दावा है कि शिवम को ड्राइविंग सीट से निकालते एकदम साफ देखा जा सकता है। वीडियो देखने से यह साफ पता चलता है कि गाड़ी में कोई और दूसरा व्यक्ति ही नहीं था। इस वजह से ईंट से शीशा तोड़ना पड़ा और तब कार का दरवाजा खोलकर शिवम को बाहर निकाला जा सका।

कारोबारी के पिता बोले- पुलिस कमिश्नर झूठ बोल रहे

मंगलवार दोपहर मामले में नया ट्विस्ट आया। कारोबारी पिता केके मिश्रा ग्वालटोली थाने पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि हादसे के वक्त बेटा शिवम नहीं, बल्कि ड्राइवर मोहन लेम्बोर्गिनी कार चला रहा था। शिवम उस वक्त सो रहा था।

केके मिश्रा ने कहा- हादसे के बाद कार लॉक हो गई थी, जिससे बेटे की तबीयत बिगड़ गई। ठीक होने पर बेटे को लेकर मैं खुद थाने आऊंगा। मीडिया ने पूछा कि पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि गाड़ी शिवम चला रहा था। इस पर पिता ने जवाब दिया- पुलिस कमिश्नर झूठ बोल रहे हैं। वहीं, कारोबारी के वकील ने दावा किया कि शिवम बेहोश है और दिल्ली में भर्ती है।

कुलपहाड़ के किसानों को खतौनी न मिलने का मुद्दा उठा

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा । विधान परिषद बजट सत्र में सदस्य विधान परिषद जितेंद्र सिंह सेंगर द्वारा नियम 111 के अंतर्गत सदन का ध्यान आकृस्ट कराया कि विगत 30 जुलाई 2022 को मौजा कुलपहाड़ के अंतर्गत लगभग 3200 खातेदार एवं लगभग 7500 एकड़ कृषि भूमि अच्छादित है धारा 52 का प्रकाशन हो जाने के बावजूद किसानो की मृत्यु उपरांत वरासत एवं नामांतरण प्रक्रिया नहीं हो पा रही है जिसके कारण मौजा कुलपहाड़ के किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ नहीं मिल पा रहा है एवं शासन द्वारा ई फॉर्मर रजिस्ट्री भी तकनीकी के कारण नहीं हो पा रही है जबकि चकबंदी प्रक्रिया और राजस्व विभाग द्वारा खतौनी टंकर का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है जिससे राजस्व विभाग द्वारा राजस्व खतौनी भी कंप्यूटरीकृत उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण क्षेत्रीय किसानों में मायूसी है, उक्त किसनो के हित में मौजा कुलपहाड़

के किसानों की खतौनी को राजस्व विभाग में कंप्यूटर अभिलेख के द्वारा अतिशीघ्र जारी कराया जाना नितांत आवश्यक है अतः जनहित में अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए जनपद महोबा के मौजा कुलपहाड़ के किसानों की खतौनी राजस्व विभाग के द्वारा कंप्यूटर अभिलेख में अति शीघ्र जारी कराए जाने हेतु आवश्यक कार्रवाई कराई जाने की सदन में वक्तव्य दिलाए जाने की मांग करता हूं उक्त प्रकरण में सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह जी द्वारा शासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए ।

फास्ट न्यूज

ताजमहल देखने पहुंचीं थाईलैंड की राजकुमारी

आगरा । थाईलैंड की राजकुमारी सिरिवन्नावरी नरिरत्ना बुधवार सुबह आगरा के ताजमहल पहुंचीं। ताज की खूबसूरती देख वह खुद को रोक नहीं पाईं। उन्होंने खुद कैमरे में ताज को कैद किया। इसके बाद डायना सीट पर बैठकर अपनी फोटो खिंचवाई। उनके साथ उनका प्रतिनिधिमंडल भी रहा।

राजकुमारी के सुरक्षा कर्मियों ने किसी को भी उनकी फोटो-वीडियो नहीं लेने दिए।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से मिलकर पार्षद कानपुर आए

कानपुर। कानपुर के तीन पार्षद BJP के शीर्ष नेताओं से मिलकर वापस कानपुर आ गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी समस्याओं और शिकायतों को लिखित रूप से प्रदेश अध्यक्ष के सामने रखा गया है। हम सब निष्कासित पार्षदों को पार्टी के आला कमान ने न्याय का भरोसा दिया है। पार्षदों से प्रदेश अध्यक्ष ने 30 मिनट तक बात की। पार्षदों ने मेयर की शिकायत की। एक पत्र अलग से सौंपा। उस पर भी प्रदेश अध्यक्ष ने जांच करा कर कार्यवाई करने का आश्वासन दिया है। शहर की समस्याओं और शिकायतों की जानकारी भी दी।

पुलिस टीम पर हमलाकर डंपर चालक को छुड़ाया

आगरा। आगरा में खनन माफिया का दुस्साहस सामने आया है। रविवार रात रामबाग क्षेत्र में गिट्टी से भरा डंपर पकड़ने पर खनन निरीक्षक और पुलिस टीम का रास्ता रोक लिया गया। खनन निरीक्षक सुशील कुमार वर्मा ने बताया कि वे रात 12 बजे यमुना किनारा रोड पर चेकिंग कर रहे थे। गिट्टी से भरा डंपर आता दिखा, जिसे रोकने के लिए इशारा किया गया, लेकिन चालक ने गति बढ़ा दी।

मथुरा-वृंदावन के डेवलपमेंट के लिए अलग से बजट

700 करोड़ रुपए मिलेंगे, इसमें मेरठ और कानपुर भी शामिल

सुविधा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बुधवार को विधानसभा में बजट पेश किया। मथुरा-वृंदावन, मेरठ और कानपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी नई योजनाओं के लिए 700 करोड़ रुपए देने का प्रावधान रखा गया है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना यूपी में योगी सरकार का 10वां बजट पेश किया। बजट में 10 लाख युवाओं को रोजगार देने के साथ साथ बेटियों की शादी के लिए मिलने वाली राशि 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपए कर दी गई है।

मथुरा वृंदावन , मेरठ और कानपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को विकसित करने के लिए 800 करोड़ का प्रावधान रखा गया है

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026- 27 में स्वरोजगार के लिए 225 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। नई सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए 100 करोड़ रुपए के अलावा उत्तर प्रदेश में एमआई मिशन की स्थापना के लिए 225 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। कृषि और उससे जुड़ी योजनाओं के लिए कुल बजट का 9 प्रतिशत हिस्सा रखा गया है।

बजट में इस बार धार्मिक महत्व के शहरों पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट में अयोध्या के लिए सौ करोड़ तो मथुरा वृंदावन,मेरठ और कानपुर के लिए 800 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। बजट में उच्च शिक्षा को मजबूत करने के लिए खास ध्यान दिया है। यह पिछले साल के मुकाबले करीब 7 प्रतिशत ज्यादा है। मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए रानी लक्ष्मी बाई स्कूटी योजना के तहत 400 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया

ग्रामीण प्रीमियर लीग 20-20 डे नाइट क्रिकेट टूनामेंट का शुभारंभ

अतिथियों ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देता है। ऐसे आयोजनों से युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उद्घाटन समारोह में आयोजक समिति के पदाधिकारी, खिलाड़ी, कोच, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। सांवरिया सेठ फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण प्रीमियर लीग 20-20 डे-नाइट क्रिकेट टूनामेंट का भव्य शुभारंभजी.आई.सी. क्रिकेट ग्राउंड, झांसी में उत्साह और खेल भावना के साथ हुआ। टूनामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया। उद्घाटन समारोह में संघर्ष सेवा समिति के संस्थापक संदीप सरावगी, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, बृजेंद्र यादव तथा ऊर्जा फाउंडेशन की अध्यक्ष राशि साहू विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। टूनामेंट के पहले

मुकाबले में रॉयल स्टेटस एवं बार एसोसिए-शन की टीमों के बीच रोमांचक मैच खेला गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। इस ग्रामीण प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनामेंट में कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें झांसी जनपद की विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्रिकेट टीमें शामिल हैं। आयोजकों ने बताया कि इस टूनामेंट का मुख्य उद्देश्य झांसी जिले की उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच प्रदान करना है, ताकि युवा खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर आगे बढ़ सकें। डे-नाइट प्रारूप में आयोजित यह टूनामेंट खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों के लिए भी खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने मैदान में उतरकर प्रतीकात्मक रूप से बल्लेबाजी की और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूनामेंट के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ससमय सेंटर/ केंद्रों में समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे

यू.पी. बोर्ड परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

परीक्षा हेतु 5 जोनल मजिस्ट्रेट, 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 119 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 119 केन्द्र व्यवस्थापकों की ड्यूटी लगाई गई है। हाईस्कूल की परीक्षा हेतु बालक 19161 तथा बालिका 16027, कुल 35188 है। इंटरमीडिएट परीक्षा हेतु बालक 20768 तथा बालिका 14213, कुल 34981 है। परीक्षा हेतु 11 राजकीय, 73 सहायता प्राप्त तथा 35 वित्त विहीन केंद्र है। जनपद में कंट्रोल रुम स्थापित किया गया है, जिसका संपर्क नंबर 9454457564 है।

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित वर्ष 2026 की हाईस्कूल व इण्टर-मीडिएट की परीक्षाओं के संबंध में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बी0एस0ए0 इंजीनियरिंग कॉलेज के सभागार में समस्त जोनल, सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेटों तथा केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक ली । जिलाधिकारी ने परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि ससमय सेंटर/ केंद्रों में समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करे।

परीक्षाएं दिनांक 18 फरवरी 2026 से 12 मार्च 2026 तक

जनपद के 119 केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होंगी।

वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को नकलविहीन, सुचारूपूर्ण एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पादित कराने हेतु जिलाधिकारी ने सभी जोनल, सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक करे। परीक्षा से पूर्व परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर परीक्षा की सभी आवश्यक तैयारियों की समीक्षा करे।

सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा अवधि में प्रत्येक दिन दोनों पालियों में नियमित अन्तराल पर परीक्षा केन्द्रों का अनिवार्य रूप से निरीक्षण/पर्यवे-क्षण करे। परीक्षा केन्द्रों में लगे सी०सी०टी०वी० कैमरों तथा वायस रिकार्डर के सही ढंग से कार्य करने की प्रतिदिन जांच करना तथा सही ढंग से कार्य व करने की दशा में जिला विद्यालय निरीक्षक कन्ट्रोल रूम के नोडल अधिकारी को सूचित करे।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, एस0पी0 यातायात मनोज कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति, जिला विद्यालय निरीक्षक रविंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रखरखाव की व्यवस्था देखे

प्रश्नपत्रों एवं उत्तर-पुस्तिकाओं के सुरक्षित रखरखाव की व्यवस्था देखे। प्रत्येक सेक्टर जोन में नियुक्त सचल दलों से नियमित सम्पर्क में रहे तथा फीडबैक ले। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों का विशेष रूप से निख्तर सघन निरीक्षण करे। यह भी सुनिश्चित करे कि संवेदनशील व अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर सशस्त्र पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गयी है। परीक्षा के दौरान केन्द्र के समीप भीड़ एकत्रित नहीं होने दे। परीक्षा प्रारम्भ एवं समाप्ति के समय भी इसका विशेष ध्यान दिया जाए।

वृंदावन में उद्घाटन समारोह के दौरान नवनिर्मित होटल में लगी आग

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । वृन्दावन में बुधवार को एक बड़ी दुर्घटना होते-होते बची। यहाँ रुक्मिणी विहार स्थित नवनिर्मित होटल सिद्धि विनायक में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब होटल के उद्घाटन समारोह के दौरान ही भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में एक महिला और एक बच्ची झुलस गई,

वृन्दावन कोतवाली के अंतर्गत केशव धाम चौकी क्षेत्र में स्थित इस होटल का आज ही भव्य उद्घाटन होना था। समारोह की तैयारियाँ चल रही थीं, तभी अचानक आग की लपटें उठने लगीं। शुरुआती जाँच में जिला प्रशासन ने आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई है।आग की चपेट में आने से एक महिला और एक बच्ची गंभीर रूप से झुलस गईं, जिन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं और काफी प्रयासों के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। जिलाधिकारी सीपी सिंह ने मौके का जायजा लेते हुए बताया कि आग पर नियंत्रण पा लिया गया है और घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।जानकारी के अनुसार इस होटल का निर्माण राया के निवासी विनीत अग्रवाल और अलीगढ़ के हरी अग्रवाल ने पार्टनरशिप में कराया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

योगी सरकार ने पेश ...

वहीं, कृषि को 12%, उच्च से लेकर बेसिक एजुकेशन को 12.50 से 15% तक, जबकि हेल्थ को 6-8% अमाउंट दिया गया है। सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का ऋण बिना ब्याज, बिना गारंटी मिलेगा।

सरकार ने एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए 225 करोड़ रुपए दिए हैं। अयोध्या और नैमिषारण्य के विकास के लिए 100-100 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, मेरठ, मथुरा-वृंदावन और कानपुर विकास प्राधिकरण के विकास के लिए 800 करोड़ रुपए दिया जाएगा।

छात्रों को फ्री टैबलेट और स्मार्ट फोन के लिए 2374 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। छुट्टा गोवंश के रख-रखाव के लिए 2000 करोड़ रूपए का बजट प्रस्तावित है। यह योगी सरकार का 10वां बजट है। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8.7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया था।

CA आशीष पाठक का कहना है, 'सीएम योगी ने "सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान, हर हाथ को काम, तकनीकी निवेश से समृद्ध उत्तर प्रदेश" को बजट की थीम बताया है। इसीलिए बजट में सीधे तौर पर कोई चुनावी वादा नहीं किया गया।

लेकिन सरकार ने शहरों से गांवों तक राजनीतिक पकड़ मजबूत करने के लिए युवाओं, महिलाओं, किसानों और रोजगार के लिए बड़ी योजनाओं की बात की है। अब सरकार मानसून सत्र में अनुपूरक बजट के जरिए इन लोगों के लिए गेम चेंजिंग और लोकलुभावन घोषणाएं कर सकती है। यही वर्ग सरकार के चुनावी रथ को धक्का लगाएंगे।' सीएम बोले- बजट में हर वर्ग का ध्यान रखा गया। एमएसएमई, कौशल विकाश के साथ रोजगार जनरेटर के रूप में यूपी का बढ़ना तय है। हम जन विश्वास सिद्धांत के रूप में आगे बढ़ रहे। निवेशकों को सिंगल विंडो सुविधा दी जा रही है। हमने इज आफ डूइंग में अच्छा किया है। इसके लिए रूल आप लॉ रियल ग्रोथ की गांरटी है। आज यूपी सुरक्षा की गारंटी दे रहा है।अन्नदाता किसान देश की अर्थव्यवस्था ओर उसके विकास की धुरी हैं। अन्नदाता केवल लाभार्थी नहीं विकास का आधार हैं। अन्नदाता से उन्हें उद्यमी बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। बजट में इसका प्रावधान है। हम ट्यूबवेलों को फ्री बिजली दे रहे हैं। किसान को कुसुम योजना का भी लाभ दिलाएंगे। गन्ना के साथ दलहनी और तिलहनी यानी सहफसली खेती की ओर आगे बढ़ेंगे। इससे और लाभ होगा। इसके लिए हमने बजट में प्रावधान किया है।

नोएडा एयरपोर्ट को विकसित करने की योजना बनाई है। एआई के प्रयोग की घोषणा की गई है। अन्न भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। बड़े-बड़े गोदाम बनें, इसके लिए सब्सिडी देंगे। पशुओं के स्वास्थ्य के लिए बीमा होगा। बीमा राशि का 50 फीसदी तक प्रीमियम सरकार देगी। बजट पर शिवपाल ने तंज कसा। उन्होंने कहा- उत्तर प्रदेश का 'कागजी' बजट मुबारक हो! यूपी की जनता को एक बार फिर ₹सपनों का अमृत₹ पिलाया गया है।

अखिलेश का योगी...

ग्रीन कॉरिडोर में भी 60 किलोमीटर बनाने में 7 हजार करोड़ रुपए खर्च कर दिए। मुख्यमंत्री के कयामत वाले बयान पर अखिलेश यादव ने गाना चलवाया। जिसके बोल थे- हम इंतजार करेंगे, तेरा कयामत तक खुदा करे कि कयामत हो और तू आए..।

अखिलेश यादव...

इन्होंने दावा किया कि हमने डेढ़ लाख से ज्यादा नौकरी दी, लेकिन उसमें पीडीए के कितने बच्चों के साथ आरक्षण का धोखा किया, यह वे नहीं बताएंगे। हमने तो पुलिस के लिए बहुत शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया था, इस सरकार ने उसे बर्बाद कर दिया। इधर हथेली गरम, उधर पुलिस नरम वाले सिद्धांत पर प्रशासन चल रहा है।

खजुरी पेट्रोल पंप के...

इस दौरान टीयूवी में सवार व्यक्तियों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर एक राउंड फायर किया। जवाब में पुलिस ने भी एक राउंड हवाई फायर कर स्थिति को नियंत्रित किया। घेराबंदी के दौरान स्विफ्ट डिजायर कार संख्या यूपी65बीवाई7866 में सवार तीन आरोपितों को मौके से पकड़ लिया गया। वहीं टीयूवी कार संख्या यूपी66आर6111 में सवार दो आरोपित वाहन छोड़कर गन्ने के खेतों के रास्ते फरार हो गए। पुलिस टीम और नायब तहसीलदार भीटी की मौजूदगी में दोनों वाहनों की तलाशी ली गई।

तलाशी के दौरान स्विफ्ट डिजायर से 36 बंडलों में कुल 37.078 किलोग्राम गांजा और टीयूवी से छह बंडलों में 6.004 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। कुल बरामदगी 43.082 किलोग्राम रही। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ थाना भीटी में मुकदमा अपराध संख्या 20/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट तथा 109(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपितों को न्यायालय भेजा जा रहा है।

पेट्रोल बंगाल में दिल्ली...

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा के दौरान एपस्टीन फाइल्स और अडाणी पर अमेरिका में चल रहे केस का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अडाणी पर चल रहा केस, दरअसल मोदी पर दबाव बनाने का तरीका है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल को टोकते हुए कहा- आपने जो भी कहा है साबित करिए। इस पर कांग्रेस नेता ने जवाब दिया- अभी देता हूं। तुरंत सारे सबूत देता हूं।

हालांकि, स्पीकर ने राहुल को टोक दिया। वहीं, किरेन रिजिजू ने बाद में कहा कि हम राहुल गांधी के खिलाफ संसद में विशेषाधिकार का नोटिस पेश करेंगे।

आपने (केंद्र सरकार) भारत को बेच दिया है। आपने हमारी मां, भारत माता को बेच दिया है। अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे. हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे।

दुनिया में जियोपॉलिटिकल टकराव बढ़ रहा है। यह युद्ध का दौर है। गाजा, यूक्रेन को देख लीजिए। ऑपरेशन सिंदूर भी चल रहा है। भारत की सभी IT कंपनियां संघर्ष कर रही हैं।

अनिल अंबानी को जेल क्यों नहीं हुई? क्योंकि उनका नाम एपस्टीन फाइल्स में है। मैं जानता हूं कि उनको एपस्टीन से किसने मिलवाया था। हरदीप पुरी भी जानते हैं कि किसने मिलवाया था।

अगर हम अमेरिका से डील करते तो ट्रम्प से कहते कि आप भारतीयों के डेटा चाहते हैं तो बराबरी पर बात होगी। हम आपके नौकर नहीं हैं। अमेरिका तय नहीं करेगा कि हमें क्या करना है।

निर्मला सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को मेरा जवाब सुनने की क्षमता रखनी चाहिए। ये कहते हैं कि मोदी ने सरेंडर कर दिया। मैं बताती हूं कि भारत को किसने बेचा। इसे कांग्रेस ने बेचा। बाली में जाकर सौदा करके आए थे। ट्रेड फेलिसिटेशन पर साइन करके आ गए थे। और भारत के फायदे के लिए उसमें कुछ नहीं थी। किसानों के हक से समझौता करने वाली कांग्रेस है। मोदी ने 2014 में WTO में जाकर इसे सुधारा। ये गरीबों को राशन दे नहीं पा रहे थे और ये मोदी जी पर आरोप लगा रहे हैं। इनको इसका कोई अधिकार नहीं है। निर्मला सीतारमण ने कहा कि राहुल गांधी के आरोप गलत। डेटा को लेकर उनको जानकारी नहीं है। इनको बजट सही से पढ़ के आना चाहिए। ये यहां आकर गलत डेटा देते हैं। महंगाई पूरी तरह कंट्रोल है। इनकी आदतें अबोध बालक जेसी हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा- बजट के ऊपर कम्यूनिस्ट लोगों ने बात की। उन्होंने कहा कि केरल में कुछ नहीं मिलता, हमें कुछ नहीं मिलता। जहां कम्यूनिस्ट सरकार वहां आर्थिक विकास सबसे नीचे है।

आरसीबी ने डीवाई पाटिल स्टेडियम की डिमांड की थी, एमआई ने इनकार किया

मुंबई इंडियंस ने विराट की टीम को नहीं दिया स्टेडियम

तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) IPL 2026 सीजन में नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को अपना होम ग्राउंड नहीं बना पाएगी। मुंबई इंडियंस (MI) ने इस स्टेडियम के इस्तेमाल के लिए जरूरी मंजूरी देने से इनकार कर दिया है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, MI ने RCB को आवश्यक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी नहीं किया, जिसके कारण यह विकल्प

फिलहाल खत्म हो गया है। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली RCB टीम का हिस्सा हैं। अगर कोई फ्रेंचाइजी किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के होम ग्राउंड के पास अपना होम बेस बनाना चाहती है, तो उसे उस फ्रेंचाइजी से मंजूरी लेनी होती है। वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम ज्यादा दूर नहीं हैं। अगर कोई टीम डीवाई पाटिल में बेस बनाना चाहती है, तो वानखेड़े से ऑपरेट करने वाली फ्रेंचाइजी की अनुमति जरूरी है। MI ने कहा कि देश में कई अन्य स्टेडियम है और RCB को पहले उन पर विचार करना चाहिए। भगदड़ में 11 लोग के मौत के बाद कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट में हादसे का जिम्मेदार RCB को बताया गया था। इसमें कोहली का भी जिक्र था। कर्नाटक सरकार ने कहा कि RCB ने चिन्नास्वामी में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए सरकार से कोई अनुमति नहीं ली थी।

जनवरी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने छत्तीसगढ़ सरकार के साथ रायपुर में कम से कम दो होम मैच कराने को लेकर बात की थी। डीवाई पाटिल स्टेडियम के विकल्प से बाहर होने के बाद, इंदौर अब बाकी पांच मैचों की मेजबानी के लिए मजबूत विकल्प बना है। इंदौर का नाम पहले भी चर्चा में था, लेकिन अब डीवाई पाटिल के हटने के बाद यह फिर से प्रमुख विकल्प बन गया

आईपीएल 2026 के लिए आरसीबी मैदान की तलाश कर रही

4 जून को बेंगलुरु में RCB के IPL विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े आयोजनों को लेकर सख्त रुख अपनाया। इसी वजह से BCCI को विजय हजारे ट्रॉफी और विमेंस वर्ल्ड कप के कुछ मैच भी बेंगलुरु से बाहर शिफ्ट करने पड़े थे। इसके बाद 17 जनवरी को कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) को कर्नाटक सरकार से स्टेडियम में IPL और इंटरनेशन मुकाबलों की मेजबानी की मंजूरी मिल गई हैं। KSCA ने प्रेस नोट जारी कर इसकी जानकारी दी थी। हालांकि फिर कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि RCB खुद अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने मैच नहीं कराना चाहती है। इसी वजह से RCB अभी भी IPL 2026 में अपने मैचों की मेजबानी के लिए मैदान की तलाश कर रही है।

लुधियाना में क्रिकेट की बारीकियां सीख वर्ल्ड-कप में डेब्यू किया

लुधियाना, एजेंसी

लुधियाना के सरकारी स्कूल से पढ़ें शेर बहादुर मल्ला ने मेन्स टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया। उन्होंने नेपाल की ओर से खेलते हुए पहली ही बॉल पर अपना पहला वर्ल्ड कप विकेट लिया।

मल्ला ने क्रिकेट खेलने की शुरुआत लुधियाना के सरकारी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल पीएयू (पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी) से की थी। यहां करीब 5 साल तक स्कूल के कोच से ही क्रिकेट की ट्रेनिंग ली।

मैच के बाद उन्होंने स्कूल प्रिंसिपल और कोच से वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान प्रिंसिपल ने उन्हें स्कूल आने का न्यौता भी दिया।

पीएयू प्रिंसिपल बोले प्रिंसिपल डॉ. प्रदीप कुमार शर्मा ने वीडियो कॉल पर शेर बहादुर मल्ला को कहा कि तुम अब दुनिया में पीएयू स्कूल के स्टार हो। स्कूल आने पर हम आपका भव्य स्वागत करेंगे।

6 से 10 क्लास तक पीएयू में की पढ़ाईः शेर बहादुर मल्ला के पिता लुधियाना में एक मॉल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। उन्होंने मल्ला का एडमिशन पीएयू सरकारी स्कूल में कराया। मल्ला ने छठी से 10 वीं क्लास तक की पढ़ाई इसी स्कूल से की। स्कूल में कोच अनिल कुमार क्रिकेट की कोचिंग भी देते थे। यहीं से मल्ला का क्रिकेट खेलने का इंटरेस्ट हुआ। इसके बाद कोच अनिल ने छठीं क्लास से ही कोचिंग देनी शुरू कर दी। करीब पांच साल तक उन्होंने कोच अनिल से ही ट्रेनिंग ली।

तीन बार स्टेट लेवल तक खेलाः कोच अनिल कुमार ने बताया कि शेर बहादुर मल्ला में शुरूआत से ही क्रिकेटिंग स्किल थी।

‘आईसीसी ने कदम पीछे खींचे पाकिस्तान उस पर निर्भर नहीं’

बॉयकॉट मामले पर पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष ने खड़ा किया नया बखेड़ा

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 विश्व कप मैच को लेकर चला आ रहा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। पाकिस्तान और आईसीसी के बीच चल रही खींचतान पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व चेयरमैन नजम सेठी ने बयान दिया है। सेठी ने कहा कि इस मामले में आईसीसी ने एक कदम पीछे लिया है, न कि पाकिस्तान ने। इसी वजह से 15 फरवरी को कोलंबो में मैच खेलने पर सहमति बनी है।

दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने ये एलान किया था कि कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले T20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच का बहिष्कार करेगी, लेकिन ICC और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के साथ बातचीत के बाद पाकिस्तान खेलने को तैयार हो गया।

फिलहाल इसकी आधिकारिक

घोषणा नहीं हुई है और पाकिस्तान खुद को सही दिखाने के लिए अलग-अलग बहाने बनाने में लगा हुआ है। पाकिस्तान ये दिखाने की कोशिश में है कि दुनिया को लगे कि आईसीसी पाकिस्तान के आगे झुका। इस पर पूर्व पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी के मुताबिक, पाकिस्तान नहीं बल्कि ICC पीछे हटा है। उन्होंने 'इंडिया टुडे' से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान ने ये फैसला बहुत सोच-समझकर लिया था। उन्हें पता था कि अगर वे भारत के खिलाफ मैच नहीं भी खेलते, तो उन पर कोई बड़ा जुर्माना या प्रतिबंध नहीं लग सकता था। सेठी ने कहा,हमने वकीलों से सलाह ली थी। ज्यादा से ज्यादा हमारा एक अंक कटता, इससे ज्यादा कुछ नहीं होता। जब ICC को इस बात का अहसास हुआ, तब उन्होंने बातचीत शुरू की और पाकिस्तान को मनाने के लिए अपने अधिकारियों को भेजा।

सेठी ने एक और चौंकाने वाली बात कही। उन्होंने कहा कि अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पैसों के लिए ICC पर निर्भर नहीं है। पहले पाकिस्तान को अपना खर्च चलाने के लिए ICC से मिलने वाले फंड की जरूरत होती थी, लेकिन अब पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) इतनी सफल हो गई है कि बोर्ड अपने पैरों पर खड़ा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, अमित शाह और राहुल गांधी से भी मिले

तेंदुलकर ने मोदी को बेटे की शादी का न्योता दिया

नई दिल्ली, एजेंसी

सचिन तेंदुलकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले और उन्हें अपने बेटे अर्जुन और सानिया चंडोक की शादी का न्योता दिया। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सचिन ने लिखा, “प्रधानमंत्री को शादी का निमंत्रण देना हमारे लिए सम्मान की बात है।” सचिन ने युवा जोड़े को प्रधानमंत्री से मिले आशीर्वाद के लिए धन्यवाद भी दिया। सचिन परिवार समेत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, गृहमंत्री अमित शाह और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मिले और उन्हें भी शादी में आने का न्योता दिया। घई परिवार

हॉस्पिटैलिटी और फूड वर्ल्ड में जाना-माना नाम है। उनका इंटरकॉन्टिनेंटल होटल्स ग्रुप है, जिसकी मल्टीनेशनल वैल्यू 18.43 बिलियन डॉलर (1.6 लाख करोड़ रुपए) है। उनका मुंबई में इंटरकॉन्टिनेंटल होटल है और परिवार फेमस आइसक्रीम ब्रांड ब्रूकलिन क्रीमरी का भी मालिक है। मशहूर बिजनेस परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद सानिया लाइमलाइट से दूर रहती हैं। वे मुंबई में ही मिस्टर पॉज पेट स्पा एंड स्टोर एलएलपी (Mr. Paws Pet Spa & Store LLP) की पार्टनर और डायरेक्टर हैं। यह एक छोटा वेंचर है, जो पशुओं की स्किनकेयर, ग्रूमिंग और इससे रिलेटेड प्रोडक्ट्स की सेवाएं देता है। सानिया ने इसकी शुरुआत 2022 में एक लाख रुपए से की थी। अर्जुन मुंबई अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने 2018 में श्रीलंका के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम से डेब्यू किया।

अर्जुन आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेंगे

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 मिनी ऑक्शन से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स ने मुंबई इंडियंस से ट्रेड किया गया था। इस सीजन वह LSG की ओर से खेलेंगे।

अर्जुन ने IPL के 5 मैचों में 3 विकेट लिए हैं, वे बैट से सिर्फ 13 रन ही बना सके। घरेलू क्रिकेट में अर्जुन अब गोवा की टीम से खेल रहे हैं, जबकि उन्होंने 2021 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था।

सानिया की कंपनी पशुओं के लिए सेवाएं देती है।

> **अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च को मुंबई में होने वाली है। दोनों ने अगस्त 2025 में सगाई की थी। सानिया चंडोक ग्रैविस ग्रुप के चेयरमैन रवि घई की पोती हैं और अर्जुन की बहन सारा तेंदुलकर की करीबी दोस्त हैं।**

इसके बाद 2021 में उन्हें IPL में मुंबई इंडियंस ने खरीदा, हालांकि डेब्यू का मौका 2023 में मिला। अर्जुन ने बाद में गोवा की रणजी टीम से खेलते हुए पहले ही मैच में शतक लगाया था।

मनोरंजन

शाहिद कपूर स्टारर इस सीरीज ने हाल ही में रिलीज के 3 साल पूरे किए

शाहिद कपूर ओटीटी पर फिर करेंगे फर्जीवाड़ा

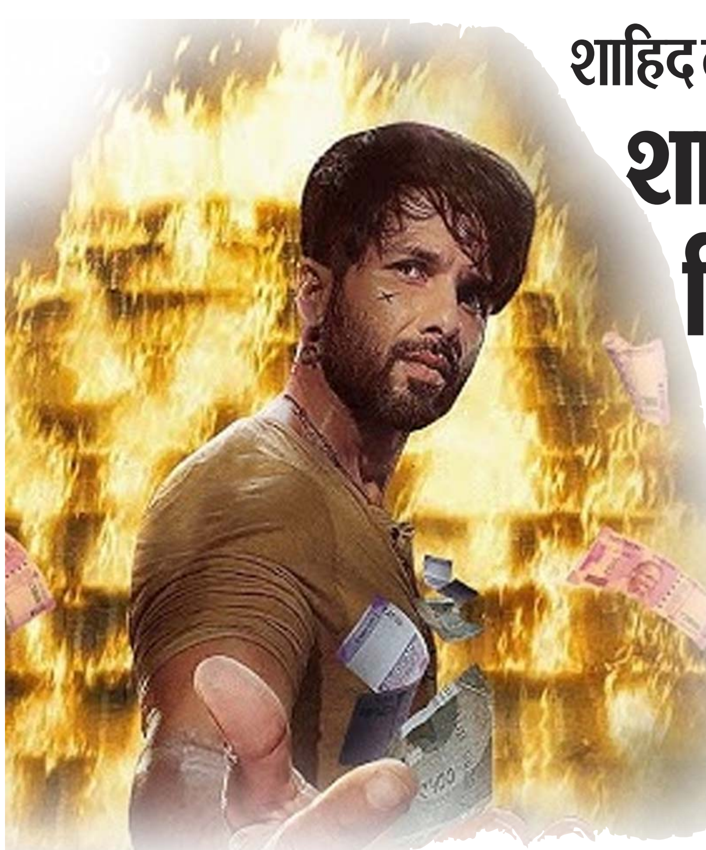

नई दिल्ली। सिनेप्रेमी अगर किसी वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, तो उसमें फर्जी 2 का नाम जरूर शामिल होगा। अभिनेता शाहिद कपूर स्टारर इस सीरीज ने हाल ही में रिलीज के 3 साल पूरे किए हैं और इस खास मौके पर मेकर्स फर्जी सीजन 2 को लेकर गुड न्यूज दी है।

जो इस सीरीज पर एक अपडेट की तरह देखी जा रही है। ऐसे में आइए जानते हैं कि फर्जी 2 को लेकर क्या नई जानकारी सामने आई है, जो इस सीरीज की वापसी से जुड़ी हुई है। दरअसल इन दोनों के

ज्वाइंट एक्स हैंडल पर एक लेटेस्ट ट्वीट सामने आया है, जिसमें फर्जी का पोस्टर शामिल है और लिखा है- राउंड 2 प्रोग्रेस में है। इससे ये साफ जाहिर होता है कि फर्जी 2 पर फिलहाल काम चल रहा है और जल्द ही इसका पोस्ट प्रोडक्शन वर्क भी खत्म हो जाएगा और फर्जी 2 की रिलीज डेट की अनाउसमेंट कर दी जाएगी। वेब सीरीज फर्जी 2 की रिलीज डेट को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि इस साल की मध्य में इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज की जा सकती है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

फर्जी 2 पर आया अपडेट

10 फरवरी 2023 को शाहिद कपूर स्टारर फर्जी का पहला सीजन ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया था। द फैमिली मैन जैसी धांसू वेब सीरीज बनाने वाली राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के की जोड़ी ने फर्जी को Yभी बनाया और ये सीरीज ऑडियंस को काफी पसंद आई। फर्जी की तीसरी सालगिरह के मौके पर राज एंड डीके की जोड़ी ने फर्जी सीजन पर आधिकारिक मुहर लगा दी है।

बता दें कि इससे पहले शाहिद कपूर भी फर्जी 2 से जुड़े जरूर अपडेट्स भी साझा कर चुके हैं और उन्होंने काफी समय पहले बताया था कि फर्जी 2 की शूटिंग शुरू की जा चुकी है। इस सीरीज में उन्होंने सनी का दमदार किरदार अदा किया है।

इन्फ्लूएंसर कैरी मिनाटी को कोर्ट से झटका

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने करण जौहर की याचिका पर उनके पक्ष में फैसला सुनाया है। पॉपुलर इन्फ्लूएंसर और यूट्यबर कैरी मिनाटी उर्फ अजय नागर ने कुछ समय पहले ही फिल्ममेकर करण जौहर को रोस्ट करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया था, जिस पर फिल्ममेकर ने आपत्ति जताते हुए उसके खिलाफ याचिका दायर की थी। 9 फरवरी को हुई सुनवाई ने कोर्ट ने वो वीडियो डिलीट करने और साथ ही इस तरह की वीडियोज पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश दिया है। करण जौहर की याचिका पर 9 फरवरी को मुंबई की एक अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान जज पांडुरंगा भोसले ने करण जौहर पर बने रोस्ट वीडियो को मानहानि-कारक माना और इसे हस्तक्षेप योग्य पाया। सुनवाई के दौरान जज ने

करण जौहर पर बनाया गया आपत्तिजनक वीडियो चैनल से हटाने का आदेश, मिमिक्री कर अभद्र भाषा इस्तेमाल की थी

कहा, “प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि अजेय नागर और दीपक चार (कैरी मिनाटी चैनल के मैनेजर) ने वादी (करण जौहर) के खिलाफ मानहानिकारक बयान दिए हैं और अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया है।

फैंस ने उठाई मांग, बोले- 'बजट नहीं प्रॉफिट दिलवाएंगे'

राजपाल यादव के जेल जाने के बाद की री-रिलीज होगी ये फिल्म?

यूजर ने लिखा, प्लीज इसे आप सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज कर दो। एक और अन्य यूजर ने लिखा, "यह फिल्म यूट्यूब पर भी रिलीज कर सकते हो और हर कोई इसे देखे। शायद इससे उनके फाइनेंशियल प्रॉब्लम थोड़े कम हो जाएं।

नई दिल्ली, एजेंसी

राजपाल यादव 9 करोड़ के चेक बाउंस केस की वजह से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। एक्टर ने 5 फरवरी 2026 को सरेंडर किया था। ये पूरा मामला साल 2010 में शुरू हुआ, जब राजपाल यादव ने एक फिल्म बनाने के लिए दिल्ली की एक फर्म 'मुरली प्रोजेक्ट्स' से 5 करोड़ का लोन लिया था। 2012 में उन्होंने फिल्म बनाई, लेकिन मूवी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही, जिसकी वजह से वह लोन नहीं चुका पाए और उनके दिए सारे चेक बाउंस हो गए। कॉमेडियन एक्टर राजपाल यादव की इस मुश्किल घड़ी में अब उनके चाहने वाले खड़े हो गए हैं और उन्होंने फिल्म को री-रिलीज

करने की डिमांड की है। 'अता-पता लापता' के ट्रेलर के नीचे YOUTUBE पर कमेंट बॉक्स में जाकर फैंस ने ये वादा किया है कि वह एक्टर की खातिर ये फिल्म जरूर देखेंगे। एक यूजर ने लिखा, ₹इस फिल्म को दोबारा री-रिलीज किया जाए। मुझे उम्मीद है कि इसे सब थिएटर्स में जाकर देखेंगे। मैं तो पक्का देखूंगी। राजपाल यादव की इस मुश्किल घड़ी को देखते हुए एक अन्य फैन ने लिखा, ₹आप मूवी को री-रिलीज कर दो, हम कर्जे का पैसा प्लस पूरे का पूरा प्रॉफिट दिलवा देंगे। एक और फैन ने लिखा, ₹भाई मूवी प्लीज सिनेमाघरों में री-रिलीज कर दो, हम सब मिलकर उन्हें सपोर्ट करेंगे।

14 साल बाद क्या री-रिलीज होगी राजपाल यादव की फिल्म?

राजपाल यादव जिस फिल्म की वजह से जेल पहुंचे हैं, उसका टाइटल है 'अता पता-लापता', जिसका निर्देशन और निर्माण खुद एक्टर ने किया था। यह फिल्म 5 से 11 करोड़ के बीच के बजट में बनी थी। 14 साल पहले यह फिल्म भले ही न चली हो, लेकिन अब ऑडियंस इसे थिएटर्स और यूट्यूब पर दोबारा देखना चाहती है।

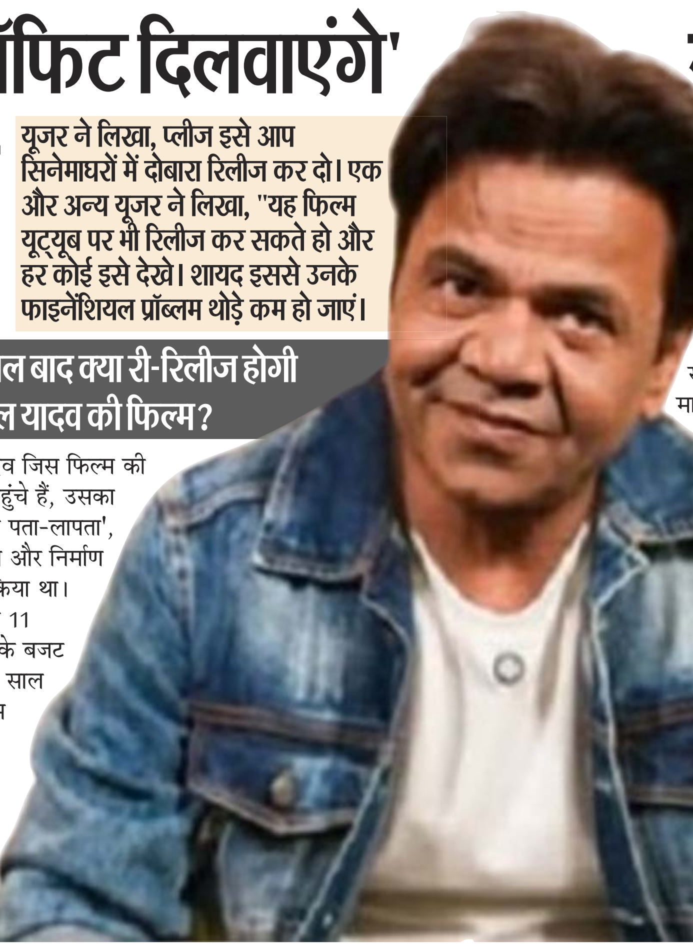

रणवीर सिंह के बाद सलमान के रिश्तेदार को मिली धमकी

ईमेल भेजकर करोड़ों की मांग की, खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया

नई दिल्ली। मंगलवार को बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद अब सलमान खान के रिश्तेदार को करोड़ों रुपए न देने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। ये घटना मगंलवार की बताई जा रही है। आजतक की रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान के करीबी रिश्तेदार को ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। मेल में साफ लिखा है कि अगर करोड़ों रुपयों की मांग पूरी नहीं की जाती तो उन्हें जान का खतरा होगा।

फिलहाल सलमान खान के किस रिश्तेदार को धमकी मिली है ये साफ नहीं है, हालांकि रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका वो रिश्तेदार फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ है और एक एक्टर है। फिलहाल इस मामले में अब तक पुलिस शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

सलमान खान के रिश्तेदार से पहले मंगलवार को रणवीर सिंह को धमकी मिली है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रणवीर को ये धमकी व्हॉट्सएप में वॉइस नोट के जरिए भेजी गई है, जिसमें कहा गया है कि अगर करोड़ों रुपए नहीं दिए जाते तो एक्टर को जान का खतरा होगा।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने रणवीर के बांद्रा स्थित घर की सिक्योरिटी बढ़ा दी है। इसके साथ ही मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने वॉइस नोट भेजने वाले शख्स की तलाश शुरू कर दी है। उस शख्स ने भी खुद को लॉरेंस गैंग का सदस्य बताया था।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले- मतलब निकलने पर टॉयलेट पेपर की तरह फेंका, साथ देने की कीमत आज भी चुका रहे

'अमेरिका ने हमारा इस्तेमाल किया'

बहस

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ने कहा, हमने अफगानिस्तान में दो जंग लड़ीं। इसमें इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों (जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ) ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया।

उन्होंने 1979 में सोवियत संघ के हस्तक्षेप का जिक्र करते हुए कहा कि यह कदम अफगान सरकार के न्योते पर उठाया गया था, लेकिन अमेरिका ने इसे सीधा हमला बताकर अपनी तरह से नरेटिव तैयार किया। आसिफ ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ 1999 के बाद हुई नई रणनीतिक साझेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है।

उन्होंने साल 2000 में अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की इस्लामाबाद की कुछ घंटों की यात्रा का जिक्र किया। क्लिंटन भारत दौरे के बाद थोड़े समय के लिए पाकिस्तान आए थे।

आसिफ ने कहा कि इससे साफ दिखता है कि दोनों देशों का रिश्ता सिर्फ मतलब तक सीमित हो गया था। उस समय अमेरिका ने सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ पर लोकतंत्र, परमाणु प्रसार और आतंकवाद को लेकर दबाव डाला था।

शिया मस्जिद पर हमले की निंदा की

यह बयान उस समय आया जब संसद ने इस्लामाबाद की शिया मस्जिद में हुए हमले के खिलाफ निंदा का प्रस्ताव पास किया। 6 फरवरी को नमाज के दौरान हुए इस आत्मघाती हमले में 31 लोगों की मौत हो गई और 169 लोग घायल हुए। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट समूह ने ली है।

आसिफ बोले- पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा

आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा और अपने छोटे फायदे के लिए कभी अमेरिका, कभी रूस और कभी ब्रिटेन की ओर झुकता रहा। उन्होंने कहा कि अब इन देशों का यहां पहले से ज्यादा प्रभाव है, जो 30-40 साल पहले नहीं था।

उन्होंने यह भी माना कि पाकिस्तान का आतंकी इतिहास रहा है। आसिफ ने कहा कि अफगानिस्तान की दो जंगों में शामिल होना पाकिस्तान की बड़ी भूल थी और आज देश में जो आतंकवाद है, वह उन्हीं गलतियों का नतीजा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के साथ बिल क्लिंटन। तस्वीर- 4 जुलाई, 1999 की है।

आसिफ बोले- जंग को सही ठहराने के लिए एजुकेशन सिस्टम में बदलाव किए

आसिफ ने कहा कि हम अपने इतिहास और गलतियों को स्वीकार नहीं करते। आज का आतंकवाद उन्हीं डिक्टेटरों की गलतियों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। ख्वाजा आसिफ ने यह भी दावा किया कि इन जंगो को सही ठहराने के लिए पाकिस्तान की एजुकेशन सिस्टम में जानबूझकर बदलाव किए गए। उनके मुताबिक, यह बदलाव आज भी सिस्टम में मौजूद हैं।

एपस्टीन की बिना एडिट वाली फाइलें देख सकेंगे अमेरिकी सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने सोमवार को कांग्रेस के सदस्यों के रिव्यू के लिए जेफरी एपस्टीन की बिना एडिट की हुई फाइलें खोल दीं। कई सांसदों ने चिंता जताई थी कि पब्लिक में जारी किए गए रिकॉर्ड से कुछ नाम हटा दिए गए हैं। इसके बाद डिपार्टमेंट ने यह कदम उठाया है। नवंबर में कांग्रेस ने भारी बहुमत से एपस्टीन फाइल्स ट्रांसपेरेंसी एक्ट (EFTA) पास किया था, जिसके तहत जस्टिस डिपार्टमेंट को सेक्स अपराधी से जुड़े सभी दस्तावेज जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

एफबीआई के मुताबिक, एपस्टीन के शिकार लोगों की संख्या एक हजार से भी ज्यादा है। एजेंसी को लोगों के नाम और अन्य पर्सनल जानकारियां हटा दी गईं थी। इस पर एफबीआई का कहना था कि ऐसा उसने इसलिए किया क्योंकि सरकारी अधिकारी, हस्तियों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को शर्मिंदिगी, इज्जत को नुकसान या पॉलिटिकल सेंसिटिविटी को नुकसान पहुंचने का खतरा था।

कैलिफोर्निया से डेमोक्रेट रिप्रेजेंटेटिव रो खन्ना, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के उन सदस्यों में से हैं जो जस्टिस डिपार्टमेंट द्वारा जारी किए गए तीन मिलियन से ज्यादा डॉक्यूमेंट्स में कुछ बदलावों पर सवाल उठा रहे हैं। खन्ना ने अपने फेसबुक पेज पर उदाहरण पोस्ट किए। उन्होंने कहा कि ईमेल भेजने वालों के नाम बताने की जरूरत है। जारी की गई फाइलों में 17 जनवरी, 2013 को एपस्टीन को भेजे गए ईमेल भेजने वाले का नाम छिपा दिया गया है। 11 मार्च 2014 को एपस्टीन को भेजे गए ईमेल भेजने वाले का नाम भी हटा दिया गया है।

फास्ट न्यूज

चांदी 13 दिन में 1.27 लाख सस्ती

नई दिल्ली । सोने-चांदी के दाम में लगातार दो दिन की बढ़त के बाद आज 11 फरवरी को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, चांदी की कीमत एक हजार रुपए गिरकर 2.58 लाख रुपए किलो पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.59 लाख रुपए किलो थी। वहीं, ये अपने ऑल टाइम हाई से 1.28 लाख रुपए सस्ती हो चुकी है।

एच-1बी वीजा प्रोग्राम खत्म करने के लिए अमेरिकी संसद में बिल पेश

नई दिल्ली। अमेरिका की संसद में एच-1बी वीजा प्रोग्राम खत्म करने के लिए एक बिल पेश किया गया है। एक रिपब्लिकन सांसद की तरफ से लाए गए बिल में यह कहा गया है कि कंपनियों ने इस प्रोग्राम का बार-बार दुरुपयोग किया है और सस्ते विदेशी कामगारों को अमेरिका लाया गया है।

अगर यह पारित होता है तो भारतीय खासे प्रभावित होंगे, क्योंकि एच-1बी वीजा भारतीय पेशेवरों में काफी लोकप्रिय है। अमेरिकी आइटी कंपनियां इसी वीजा के आधार पर विदेशी कामगारों को अपने यहां नौकरी देती हैं, जिनमें भारतीयों की बड़ी संख्या होती है।

अकासा एयर के को-फाउंडर प्रवीण अय्यर का इस्तीफा

नई दिल्ली । अकासा एयर के को-फाउंडर और चीफ कमर्शियल ऑफिसर (CCO) प्रवीण अय्यर ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे 30 अप्रैल 2026 तक कंपनी के साथ बने रहेंगे ताकि नई लीडरशिप को जिम्मेदारी सौंपने में मदद कर सकें। उनकी जगह अब आनंद श्रीनिवासन को नया CCO नियुक्त किया गया है।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी शूटर समेत 9 लोगों की मौत

25 घायल, स्कूल में 175 स्टूडेंट पढ़ते हैं

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज शहर में मंगलवार को एक हाईस्कूल में गोलीबारी हुई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। अभी तक ये जानकारी नहीं आई है कि मरने वालों में कोई छात्र है या नहीं। स्कूल को एहतियातन बंद कर दिया गया है। इलाके के विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि हालात काबू में करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और एंबुलेंस की टीमें मौके पर भेजी गईं हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो लोग अपने परिवार वालों को ढूंढने के लिए बाहर निकल आए हैं, वे घर लौट जाएं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने इस गोलीबारी के बाद अपना जर्मनी दौरा रद्द कर दिया है। सरकारी वेबसाइट के मुताबिक, हादसे वाले टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में 7 से 12 क्लास तक के कुल 175 छात्र पढ़ते हैं। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (RCMP) ने बताया कि संदिग्ध एक महिला थी, जिसने स्कूल ड्रेस पहन रखी थी और उसके बाल भूरे थे। उसका शव स्कूल के अंदर मिला। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी है।

पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1 बजकर 20 मिनट (भारतीय समयानुसार रात करीब 2 बजे) पर स्कूल में गोलीबारी की खबर मिली थी। जब अधिकारी हाई स्कूल पहुंचे तो वहां छह लोग मृत मिले।

अमेरिका ने इंडियन मैप वाला पोस्ट हटाया

पीओके-अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दिखाया था, ट्रेड डील के बाद शेयर किया था

वॉशिंगटन डीसी

तमसा संकेत, अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) को भारत का हिस्सा दिखाने वाला पोस्ट डिलीट कर दिया है।

यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) ने 7 फरवरी को भारत-अमेरिका के बीच हुए ट्रेड एग्रीमेंट के बाद किए गए पोस्ट में इंडियन मैप शेयर किया था। जारी होने के बाद यह नक्शा चर्चा में आ गया था।

अब तक अमेरिकी एजेंसियां इंडियन मैप में PoK और अक्साई चिन को विवादित इलाके के तौर पर अलग रंग या 'डॉटेड लाइन्स' से दिखाती थी। हालांकि, इस पोस्ट में ऐसा कोई निशान या लाइन नहीं थी, बल्कि पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया गया था।

इस बदलाव के बाद कई एक्सपर्ट का कहना था कि पाकिस्तान और चीन के साथ अमेरिका के रिश्तों में तनाव के बीच यह कदम भारत के समर्थन का संकेत हो सकता है। वहीं, कुछ लोगों ने इसे गलती से जारी हुआ बताया। इन तमाम अटकलों के बीच अब USTR ने यह पोस्ट हटा दिया है। हालांकि, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। भारत और पाकिस्तान के बीच PoK विवाद जम्मू-कश्मीर क्षेत्र से जुड़ा सबसे पुराना विवाद है। यह 1947 से चला आ रहा है और दोनों देशों के बीच युद्ध, तनाव और कूटनीतिक लड़ाई का कारण बना हुआ है।

अमेरिका के यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इंडियन मैप वाली पोस्ट हटा दी है।

पाकिस्तानी पीएम बोले थे- कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा

अमेरिका के मैप शेयर करने से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 5 फरवरी को बयान जारी कर कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीरियों के साथ मजबूती से खड़ा है और जम्मू-कश्मीर विवाद का हल कश्मीर के लोगों की इच्छा के मुताबिक होना चाहिए। शहबाज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर विवाद का समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) के प्रस्तावों को लागू करने से ही हो सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं पाकिस्तानी लोगों और पाकिस्तानी नेतृत्व की ओर से कश्मीर के अपने भाइयों के साथ एकजुटता दिखाने आया हूं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान की लाइफ लाइन बताया था।

शहबाज बोले- कश्मीर का मुद्दा हमारी फॉरेन पॉलिसी की नींव है

शहबाज शरीफ ने कहा कि कश्मीर का मुद्दा पाकिस्तान की फॉरेन पॉलिसी का आधार है। शहबाज ने भारत और पाकिस्तान के बीच मई 2025 में हुए चार दिवसीय सैन्य संघर्ष को भी याद किया। उन्होंने दावा किया कि इस संघर्ष के बाद कश्मीर मुद्दा एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूरी ताकत के साथ उठाया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अब प्रॉक्सी के जरिए आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। पाकिस्तान, मिलिटेंट ग्रुप बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (BLA) को भारत का समर्थन मिलने का दावा करता है, जबकि भारत ऐसे आरोपों को हमेशा खारिज करता रहा है।

50 साल में भारत समेत 9 देशों की लड़कियों को निशाना बनाय, मां-मौसी की हत्या की

टीचर ने किया 89 नाबालिगों के साथ रेप

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में एक 79 साल के रिटायर्ड शिक्षक पर 1960 के दशक से 2022 तक 89 नाबालिगों के साथ रेप और यौन शोषण का आरोप लगा है। फ्रांस के ग्रेनोबल शहर में अभियोजक एटिएन मंटो ने मंगलवार को इस केस को सार्वजनिक करते हुए पीड़ितों से आगे आने की अपील की। आरोपी का नाम जैक लेवुग्ल है। अभियोजक के अनुसार जैक लेवुग्ल ने 1967 से 2022 के बीच भारत, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, मोरक्को, नाइजर, अल्जीरिया, फिलीपींस, कोलंबिया और फ्रांस में नाबालिगों के साथ यौन अपराध किए। वह फ्रेंच भाषा के शिक्षक और गुफा अध्ययन (स्पेलियोलॉजी) के ट्रेनर के रूप में काम करता था। अभियोजक के अनुसार, वह हर जगह जाकर युवाओं से मिलता था और उनके साथ यौन संबंध बनाता था। जांच के दौरान आरोपी ने 1970 के दशक में अपनी कैंसर से पीड़ित मां को तकिए से दम घोंटकर मारने की बात कबूली। उसने 1990 के दशक में अपनी 92 साल की बुआ की भी तकिए से हत्या की। अभियोजक के अनुसार मौसी ने उसे यात्रा पर जाने से रोका था। मंटो ने कहा, "उसने तय किया कि वह उसे भी मार देगा। जब वह सो रही थी, तब उसने तकिए से उसका दम घोंट दिया।" अपने डायरी में आरोपी ने लिखा था कि उसने दो लोगों की हत्या की है। इन दोनों मामलों में अलग से हत्या की जांच शुरू की गई है। अभियोजक के मुताबिक आरोपी अपने कृत्य को यह कहकर सही ठहराता है कि अगर वह खुद जीवन के अंतिम चरण में ऐसी स्थिति में हो, तो वह भी चाहता है कि कोई उसके साथ ऐसा ही करे। अभियोजक एटिएन मंटो ने दक्षिण-पूर्वी फ्रांस के ग्रेनोबल में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस मामले में आरोपी का नाम सार्वजनिक किया गया है। उन्होंने कहा, "यह नाम लोगों को पता होना चाहिए, ताकि पीड़ित सामने आ सकें।" जब उनसे पूछा गया कि जांच शुरू होने के समय नाम क्यों नहीं बताया गया, तो उन्होंने कहा कि यह अलग मामला था और पहले मामले की जांच जरूरी थी। बाद में लगा कि जिन पीड़ितों की पहचान नहीं हो पाई है, उन्हें सामने आने का मौका देना जरूरी है।

अभियोजक एटिएन माटो (बाएं) ने कहा कि संदिग्ध का नाम सार्वजनिक करने का निर्णय इसलिए लिया गया ताकि पीड़ित सामने आए और गवाही दे सकें।

यूएसबी ड्राइव से सामने आए 89 पीड़ित

यह मामला तब सामने आया जब आरोपी के भतीजे को उसपर शक हुआ। भतीजे ने आरोपी के कमरे की तलाशी ली जहां उसे एक USB ड्राइव मिली, जिसमें नाबालिगों के साथ उसके यौन संबंधों की तस्वीरें शामिल थे। इस ड्राइव में 15 पार्टस में डिटेल में बताया गया था। उसमें उसने खुद नाबालिगों के साथ यौन संबंध का जिक्र किया था। जांचकर्ताओं ने इन लेखों को पढ़कर 89 नाबालिग पीड़ितों की पहचान की।

> **पीड़ितों की उम्र 13 से 17 साल के बीच बताई गई है। वह 2024 में आरोप तय होने के बाद से हिरासत में है। अभियोजक के मुताबिक आरोपी ने अपनी बीमार मां और बुजुर्ग मौसी की हत्या की बात भी कबूल की**

महिंद्रा एंड महिंद्रा का मुनाफा 47% बढ़कर 4,675 करोड़

मुंबई, एजेंसी

महिंद्रा एंड महिंद्रा का वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार (YoY) 47% बढ़कर 4,675 करोड़ हो गया है। एक साल पहले की समान तिमाही (Q3FY25) में कंपनी को 3,181 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

आज (11 फरवरी) को कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं। नतीजों के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर 0.16% की तेजी के साथ 3,681 रुपए पर कारोबार कर रहा है। बीते एक साल में शेयर 20% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 4.41 लाख करोड़ रुपए है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑपरेशन से रेवेन्यू में सालाना आधार पर 26% की बढ़ोतरी हुई है। FY26 की तीसरी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 52,100 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी FY25 की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 41,470 करोड़ रहा था।

तीसरी तिमाही में रेवेन्यू 26% बढ़ा, एक साल में कंपनी का शेयर 20% चढ़ा

तीसरी तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार (YoY) पर 26% बढ़कर 52,958 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 41,881 करोड़ रुपए थी। वहीं तिमाही आधार पर कंपनी की टोटल इनकम 13% बढ़ी है। कंपनी की गाड़ियों की सेल्स भी सालाना आधार पर 23% बढ़कर 3.02 लाख यूनिट्स रही।

बदलाव : दाल और 500 अरब डॉलर की खरीद भी जरूरी नहीं, दस्तावेज का नया वर्जन जारी हुआ

भारत-यूएस ट्रेड डील में भारत को और राहत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने भारत के साथ हुई हालिया ट्रेड डील पर जारी अपनी फैक्ट शीट में कई बड़े बदलाव किए हैं। पहले जिन बातों का साफ जिक्र था, अब उन्हें या तो हटा दिया गया है या उनकी भाषा बदली गई है।

पिछले हफ्ते दोनों देशों ने ट्रेड डील का ऐलान किया था। इसके बाद व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट जारी कर आगे की रूपरेखा बताई थी, लेकिन अब उसी दस्तावेज का नया वर्जन जारी हुआ है।

सबसे बड़ा बदलाव दाल को लेकर है। पहले कहा गया था कि भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम या खत्म करेगा, जिसमें दाल भी शामिल थी। अब नए दस्तावेज से दाल का जिक्र हटा लिया गया है। 500 अरब डॉलर की खरीद को लेकर भी भाषा बदली गई है। पहले लिखा था कि भारत, अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने के लिए 'कमिटेड' है। अब इसे बदलकर 'इरादा रखता है' कर दिया गया है।

भारत पर नजर रखने के लिए टास्क फोर्स गठित

ट्रेड डील को लेकर अंतरिम समझौते के ढांचे के अनुसार भारत रूस से तेल का आयात दोबारा शुरू न करे, इस पर निगरानी रखने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन मंत्रियों की एक टास्क फोर्स का गठन किया है।

इसमें वाणिज्य मंत्री, विदेश मंत्री और वित्त मंत्री शामिल हैं। इस समिति को लगता है कि भारत ने रूस से तेल का इम्पोर्ट दोबारा शुरू कर दिया है, तो वह राष्ट्रपति ट्रम्प को दोबारा 25% पेनल्टी लगाने और अन्य कार्रवाई करने के लिए सिफारिश कर सकती है।

डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका के रुख में नरमी

नए दस्तावेज में सिर्फ एनर्जी, सूचना और संचार तकनीक, कोयला और कुछ अन्य सामान की बात कही गई है। डिजिटल सर्विस टैरिफ पर भी अमेरिका ने नरमी दिखाई है। पहले कहा गया था कि भारत यह टैरिफ हटाएगा। अब सिर्फ इतना लिखा है कि भारत डिजिटल ट्रेड के नियमों पर बातचीत के लिए तैयार है।

अमेरिका ने भारत पर रूसी तेल इम्पोर्ट के कारण पेनल्टी के रूप में लगाए गए 25% टैरिफ को वापस करने का भी फैसला लिया है।

इस फैसले से भारतीय कारोबारियों को 40 हजार करोड़ की राहत मिलने की उम्मीद है। व्हाइट हाउस आधिकारिक जानकारी के मुताबिक 27 अगस्त 2025 से लेकर 6 फरवरी 2026 के बीच अमेरिका द्वारा किए गए जिन इम्पोर्ट पर यह पेनल्टी लगी थी, उनका रिफंड दिया जाएगा।

गुयाना के मंत्री ने हिंदी में भाषण दिया, वीडियो वायरल

जॉर्जटाउन, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना की संसद में भारतीय मूल के मंत्री विकाश रामकिसून का हिंदी में दिया गया भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। संसद सत्र के दौरान उन्होंने विपक्ष के उस दावे का जवाब हिंदी में दिया, जिसमें कहा गया था कि उन्हें हिंदी नहीं आती।

विपक्षी सांसद विष्णु पांडेय ने सदन में टिप्पणी की कि विकाश रामकिसून को हिंदी का एक शब्द भी नहीं आता। इस पर रामकिसून ने स्पीकर से अनुमति ली और कहा कि वे इसी मुद्दे पर हिंदी में जवाब देना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने हिंदी में बोलते हुए विपक्षी सांसद को खुली चुनौती दी। रामकिसून ने कहा, "मैं अभी इसी वक्त उन्हें चुनौती देता हूं कि किसी भी स्तर पर, किसी भी जगह पर, विषय वे तय करें और मैं बिना कागज देखे हिंदी में बहस करूंगा।" मंत्री विकाश रामकिसून के भाषण का वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसे बड़ी संख्या में लोग देख और शेयर कर रहे हैं। यह वीडियो भारत के उच्चायोग की ओर से गुयाना की राजधानी जॉर्जटाउन से X पर पोस्ट किया गया था। इसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया और भारत समेत कई देशों में लोग मंत्री की हिंदी की तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा कि हिंदी को लेकर उठाया गया सवाल अनावश्यक था और मंत्री ने बिना किसी नोट्स के हिंदी में जवाब देकर अपनी भाषा की पकड़ साबित कर दी।

विपक्ष को चुनौती दी, बोले- मैं बिना कागज के हिंदी में बहस को तैयार

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96